दैनिक
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करें:9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 173 मुरादाबाद, 12 October 2023 (Thursday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

मारा गया पठानकोट हमले का मास्टरमाइंड आतंकी शाहिद लतीफ, पाकिस्तान में गोली मारकर की गई हत्या

शाहिद लतीफ को 1994 में आतंकी आरोप में भारत में गिरफ्तार किया गया था। लतीफ भारतीय जेल में करीब 16 सालों तक बंद रहा था। भारत में सजा पूरी होने के बाद 2010 में उसे पाकिस्तान भेज दिया गया था। पठानकोट हमले का मास्टरमाइंड और भारत का मोस्ट वांटेड आतंकी शाहिद लतीफ की पाकिस्तान में हत्या कर दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने पाकिस्तान के प्रांत पंजाब के शहर सियालकोट की एक मस्जिद में उसकी गोली मारकर हत्या कर दी है। सूत्रों के अनुसार, 41 साल के लतीफ के जम्मू-कश्मीर के कई आतंकियों से कनेक्शन थे। उसने केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवादियों संगठनों के साथ मिलकर कई हमलों को अंजाम दिया था। माना जाता है कि लतीफ जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर था।

इन साजिशों में था शामिल

दो जनवरी, 2016 को जैश के आतंकियों ने पठानकोट में एयरबेस पर हमला कर दिया था। इसमें सात जवान शहीद हो गए थे। तीन दिन तक कॉम्बिंग ऑपरेशन चला था। शाहिद लतीफ आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का एक प्रमुख सदस्य था। उसने ही चारों आतंकवादियों को पठानकोट भेजा था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच में पाया गया था कि हमले को अंजाम देने के लिए भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों के मास्टरमाइंड और आका सभी पाकिस्तान में स्थित थे। वहीं, लतीफ पर उन आतंकियों में भी शामिल होने का आरोप है, जिन्होंने 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान को अगवा किया था।

भारत में गिरफ्तार हो चुका शाहिद लतीफ

लतीफ को नवंबर 1994 में भारत में गिरफ्तार किया गया था और मुकदमा चलाया गया था। भारत में सजा पूरी होने के बाद 2010 में उसे पाकिस्तान भेज दिया गया था। एनआईए के मुताबिक, भारत से निकाले जाने के बाद शाहिद लतीफ वापस पाकिस्तान की जिहादी आतंकियों के साथ मिल गया था। उसने पठानकोट आतंकी हमले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मथुरा पहुंचे सीएम ने दीनदयाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन, मेला एवं प्रदर्शनी का शुभारंभ

जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती समारोह मनाया जा रहा है। इस मौके पर तीर्थनगरी मथुरा के फरह स्थित दीनदयाल धाम में मेला एवं प्रदर्शनी आयोजित की गई। इसमें शामिल होने के लिए सूबे के मुखिया सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचे। उन्होंने दीनदयाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके नमन किया। इसके बाद ग्रामोद्योग केंद्र का भ्रमण, जन्मोत्सव मेले एवं प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती समारोह पर तीर्थनगरी मथुरा के फरह स्थित दीनदयाल धाम में मेला एवं प्रदर्शनी आयोजित की गई। इसमें शामिल होने के लिए सूबे के मुखिया सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचे। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय को नमन किया। सीएम सुबह करीब 11.35 बजे फरह पहुंचे। यहां दीनदयाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद ग्रामोद्योग केंद्र का भ्रमण, जन्मोत्सव मेले एवं प्रदर्शनी का शुभारंभ किया सीएम योगी आदित्यनाथ मथुरा पहुंचे हैं। पांच राज्यों का चुनाव आते ही विपक्ष में भगदड़ मच गई। कहा कि विपक्ष को अब जाति और कल्याण की बात याद आ रही है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 से गरीबों के कल्याण का काम कर रहे हैं। भारत विश्व गुरु बन रहा है। दीनदयाल का सपना साकार हो रहा है। फरह में सीएम योगी आदित्यनाथ की किसान संगोष्ठी समाप्त हो गई है। अब वह यहां से निकलकर मथुरा स्थित भगवान श्रीकृष्म की जन्मभूमि पर पहुंचेंगे।

युवाओं के लिए मिशन रोजगार योजना चलाई जा रही है। उन्हें सरकारी नौकरी दी जा रही है। उनके लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सीएम मंच पर पहुंचे तो लोग उनके सम्मान में खड़े हो गए। लोगों में सीएम का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा था। लोगों में सीएम को मोबाइल में कैद करने की होड़ दिखी। सीएम की जनसभा स्थल पर आ रहे लोगों को कड़ी निगरानी के बीच से गुजरना पड़ रहा है। जो लोग काले कपड़े पहन कर आए हैं, उनको जनसभा पंडाल में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ बुधवार की सुबह करीब 11.35 बजे मथुरा पहुंचे। यहां फरह स्थित दीन दयाल धाम में चार दिवसीय मेले व किसान सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। यहां पर सीएम का करीब तीन घंटे का कार्यक्रम निर्धारित है। सीएम योगी के आगमन के मद्देनजर मंगलवार को दिन भर प्रशासन तैयारियों में जुटा रहा। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित रूट का अधिकारियों ने निरीक्षण किया। बुधवार की सुबह से ही जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहा।

आठ हजार किसानों का सम्मेलन बताते चलें कि फरह स्थित नगला चंद्रभान में पं. दीनदयाल धाम में मुख्यमंत्री चार दिवसीय मेले का उदघाटन करेंगे। यहां 11 से 14 अक्तूबर तक मेला चलेगा। इसमें पंचगव्य, स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी होगी। किसान सम्मेलन होगा।

छेड़छाड़ के विरोध पर छात्रा को ट्रेन के आगे फेंका, एक हाथ-दोनों पैर कटे, दो गिरफ्तार; सीएम योगी का एक्शन

बरेली में दिल दहलाने वाली वारदात हुई है। छेड़खानी का विरोध करने पर छात्रा को दो शोहदों ने ट्रेन के सामने फेंक दिया, ट्रेन की चपेट में आने से उसके एक हाथ और दोनों पैर कट गए। मामले में दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही सीएम योगी ने भी मामले में सख्ती दिखाई है। एसएसपी ने थाने के इंस्पेक्टर समेत तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। बरेली के सीबीगंज क्षेत्र में दिल दहलाने वाली वारदात हुई है। छेड़खानी का विरोध करने पर कोचिंग से घर लौट रही छात्रा को दो शोहदों ने ट्रेन के आगे फेंक दिया, जिससे उसका एक हाथ और दोनों पैर कट गए। उसकी कई हड्डियां भी टूट गई। अस्पताल में भर्ती छात्रा की हालत चिंताजनक बनी हुई है। इस मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। मामले में अफसरों ने मौके पर जाकर पीड़ित परिवार से बात कर कार्रवाई का निर्देश दिया। बुधवार सुबह कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, आईजी राजेश कुमार सिंह, डीएम रविंद्र कुमार और एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने अस्पताल जाकर परिवार और डॉक्टरों से बात की। सीबीगंज इंस्पेक्टर अशोक कम्बोज, हल्का इंचार्ज नितेश कुमार और दो सिपाहियों को निलंबित कर दिया। साथ ही विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। इस मामले में एसएसपी ने थाने के इंस्पेक्टर समेत तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। पुलिस ने आरोपी युवक और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, शासन की ओर से पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपए सहायता राशि प्रदान की गई। सीबीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली इंटर की छात्रा शाम को सीबीगंज में कोचिंग पढ़ने जाती है। उसके अधिवक्ता चाचा के मुताबिक उसके आने-जाने के दौरान एक युवक और उसका साथी उससे छेड़छाड़ करते थे। छात्रा से जानकारी मिलने पर परिजनों ने आरोपियों के घर वालों से शिकायत की, मगर वे दोनों नहीं माने। मंगलवार को भी कोचिंग गई थी। शाम को लौटने के वक्त वह खड़ौआ रेलवे क्रॉसिंग के पास लहूलुहान हालत में मिली। उसके दोनों पैर कटे हुए थे। जानकारी करने पर पता चला कि उन्हीं दोनों युवकों ने उसे रास्ते में रोककर छेड़छाड़ की। विरोध करने पर उसे ट्रेन के आगे फेंककर जान लेने की कोशिश की। पुलिस ने उसे इज्जतनगर क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां रात में उसका ऑपरेशन किया गया। अभी यह नहीं कहा जा सकता कि छात्रा को ट्रेन के आगे फेंका गया या कुछ और हुआ। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जाएगी। दो महीने से परेशान कर रहा था शोहदा जिस छात्रा के साथ घटना हुई, वह पिछड़ी जाति के परिवार से ताल्लुक रखती है। उसकी ताई इस समय गांव की प्रधान हैं। गांव निवासी एक युवक उसे करीब दो महीने से परेशान कर रहा था। वह अपने दोस्तों के साथ अक्सर रास्ते में उसे रोक लेता था। छात्रा के साथ ही अन्य लोगों ने उसकी शिकायत परिजनों से की। बताते हैं कि शुरू में छात्रा के परिजनों ने अपने परिवार में प्रधानी होने की वजह से शिकायत से बचाव किया पर सिर के ऊपर से पानी गुजरने पर आरोपी के परिजनों से शिकायत की। उन्होंने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। परिवार ने पुलिस से भी शिकायत की पर सीबीगंज थाना पुलिस ने गांव में जाकर जांच पड़ताल करना भी मुनासिब नहीं समझा। इसका नतीजा ये हुआ कि छात्रा अब जीवन के लिए संघर्ष कर रही है। अब छात्रा का परिवार भी अफसोस कर रहा है कि समय रहते ही अधिकारियों से शिकायत क्यों नहीं की गई। छात्रा के अधिवक्ता चाचा ने बताया कि उन्हें इस तरह की घटना का जरा भी आभास नहीं था।

मैनपुरी पहुंची सांसद डिंपल यादव: सुनीं जन समस्याएं, आकाशीय बिजली गिरने से मृतकों के परिजन को दी सहायता राशि

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से सपा सांसद डिंपल यादव बुधवार को जनपद पहुंची। यहां उन्होंने पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने जनता की समस्याओं को भी सुना। इस मौके पर उनसे मिलने काफी लोग पहुंचे। सांसद डिंपल यादव मैनपुरी पहुंची। यहां उन्होंने जन समस्याएं सुनीं। साथ ही आकाशीय बिजली गिरने से मृतकों के परिजन को सहायता राशि दी। सांसद ने लोगों का हाल जाना। जिले की घटनाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने आकाशीय बिजली गिरने से होने वाली जनहानि पर पीड़ितों को सहायता राशि प्रदान की। मृतकों के परिवारीजन से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और मदद की। इस मौके पर पांच परिवारों को सहायता राशि के रूप में एक-एक लाख रुपये दिए गए। इस मौके पर सांसद ने कहा कि सरकार लोगों को बुनियादी सुविधाएं नहीं दे पा रही है। प्रदेश की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह बदहाल है। प्रदेश में सरकार के खिलाफ माहौल है। समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगी। कहा कि सरकार नई पीढ़ी को महापुरुषों के बारे में जानकारी नहीं देना चाहती है। किसी भी महापुरुष की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने का सभी को अधिकार है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सरकार के इशारे पर लखनऊ में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने से रोका गया। समाजवादी लोग हर परिस्थिति का सामना करने को तैयार हैं। प्रदेश में बन रहे सरकार विरोधी माहौल से सरकार पूरी तरह घबरा गई है। कहा कि सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है। हर मोर्चे पर सरकार असफल हो रही है। सरकारी संपत्तियों को केंद्र सरकार बेच रही है। निजीकरण किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव में प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी को इसका जवाब देगी। इस मौके पर पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव, विधायक किशनी बृजेश कठेरिया, पूर्व विधायक राजू यादव, पूर्व विधायक संध्या कठेरिया, जिला अध्यक्ष आलोक शाक्य मौजूद रहे।

जेपीएनआईसी के गेट पर जड़ा ताला, गेट फांदकर समर्थकों संग अंदर घुसे अखिलेश यादव, माल्यार्पण किया

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव जेपीएनआईसी में जय प्रकाश जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने गए थे पर इसके मुख्य द्वार को बंद कर दिया गया था। अखिलेश यादव जब अपने समर्थकों संग पहुंचे तो जमकर हंगामा हुआ। वो गेट फांदकर अंदर गए और माल्यार्पण कर वापस आए।जयप्रकाश नारायण की जंयती पर एलडीए ने जेपीएनआइसी गेट पर ताला लगा दिया। इसके अलावा लोहे की चादर की दीवार भी लगा दी।

एलडीए ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को जेपीएनआइसी में माल्यार्पण कार्यक्रम की अनुमति देने से मना कर दिया।गेट पर तालाबंदी की सूचना पर सपा कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। साढ़े 11 बजे अखिलेश यादव समर्थकों संग बस से जेपीएनआईसी पहुंचे और बैरिकेडिंग तोड़कर गेट फांदकर अखिलेश यादव समर्थकों संग अंदर घुस गए और माल्यार्पण किया। सरकार की उन्हें रोकने की सारी व्यवस्थाएं धरी रह गई। हालांकि, कुछ देर बाद वह जेपीएनआईसी से बाहर निकले और कहा कि हम हर साल जय प्रकाश जी की स्मृति में आते हैं और यहां माल्यार्पण करते हैं। इस बार सरकार ने हमें रोकने के लिए गेट पर ताला लगा दिया और टिन लगाकर सील कर दिया। उन्होंने कहा कि जेपी ने संपूर्ण क्रांति का नारा दिया था क्या हमें भी माल्यार्पण के लिए जयप्रकाश नारायण जी की तरह 'सम्पूर्ण क्रान्ति' का आह्वान करना पड़ेगा। अगर भाजपा को यही मंजूर है तो यही सही। उन्होंने कहा कि भाजपा सपा सरकार में किए गए काम को बर्बाद कर रही है। जेपीएनआईसी बर्बाद किया जा रहा है। रिवरफ्रंट बर्बाद कर दिया गया है। सरकार तानाशाही कर रही है। उन्होंने कहा कि हम संपूर्ण क्रांति का नारा देते हैं जो कि 2024 तक जाएगा और 2027 में यूपी में सत्ता परिवर्तन करेगा। इसके पहले उन्होंने ट्वीट कर जानकारी दी थी और कहा कि महान समाजवादी विचारक, सामाजिक न्याय के प्रबल प्रवक्ता लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती पर अब क्या सपा को माल्यार्पण करने से रोकने के लिए ये टिन की चद्दरें लगाकर JPNIC का रास्ता रोका जा रहा है। सच ये है कि भाजपा लोकनायक जयप्रकाश जी के भ्रष्टाचार, बेकारी-बेरोज़गारी और महंगाई के ख़िलाफ़ छेड़े गये आंदोलन की स्मृति को दोहराने से डर रही है क्योंकि भाजपा के राज में तो भ्रष्टाचार, बेकारी-बेरोज़गारी और महंगाई तब से कई गुना ज़्यादा है। अब क्या माल्यार्पण के लिए भी जयप्रकाश नारायण जी की तरह 'सम्पूर्ण क्रान्ति' का आह्वान करना पड़ेगा। अगर भाजपा को यही मंजूर है तो यही सही। माल्यार्पण के बाद वह अपने समर्थकों के साथ वापस लौट गए। जिसके बाद गेट को पुलिस ने पूरी तरह घेर लिया। कुछ देर बाद भीड़ छंट गई और जाम भी खुल गया। पूरे घटनाक्रम पर सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने भी ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि सत्ता के दमन की क्रूर हदें व सरहदें समाजवादी विचारधारा को किसी सीमा में नहीं बांध सकती। जय लोहिया-जयप्रकाश, जय समाजवाद।शिवपाल ने इसे सरकार द्वारा की गई दमनात्मक व क्रूर कार्रवाई कहा।

संपादकीय Editorial

Atrocities in israel

Hamas, the Palestinian militant group operating from the Gaza Strip, launched an extraordinary scale attack in southern Israel that shocked the entire world. It is still not known how many Israelis (and citizens of other countries) were killed in the attack and how many were taken hostage. The death toll is in hundreds. This number is very big for a small country. Some people say that for the first time since the Holocaust, so many people have been killed in a single day. The Israeli administration has traditionally been perceived to respond too harshly to attacks by Palestinian terrorists. In such a situation, after the attack by Hamas, there is a strong fear that there will be a siege and blockade of the crowded Gaza Strip and the people there will have to face a terrible humanitarian disaster. The attackers will have the primary responsibility for killing and kidnapping civilians.

Compared to other organizations, Hamas had long ago chosen an extremist and extremist stance towards the struggle for Palestine's independence. Even in an open war this would have been considered a violent and unjust war crime. But the culprits are from all sides. Right-wing popular leader Benjamin Netanyahu has a government in Israel and he is also responsible for this.

Netanyahu has to appease his ultra-nationalist and fundamentalist coalition partners and to do so he chose to fight alongside the Israeli military and intelligence services. They marginalized the Palestinians and left them with no hope of a two-state solution.

The latter actions implicated Hamas in terrorist acts, while the earlier incidents contributed to intelligence and military failures. Because of this, the militants remained several kilometers deep into the Israeli border for hours and did not face any resistance on the ground.

America, which guarantees security to Israel, has ignored the rights of Palestinians for decades. He never tried to rein in Netanyahu's excesses. Hamas says that it got help from Iran in this attack. Iran is proving itself incapable of the regional hegemon role to which it aspires.

Other regional powers, from India to Saudi Arabia to Turkey, have understood the limits of a regional agenda and want to normalize relations with Israel without resolving the question of the rights of Palestinian citizens. Now the focus should be on ensuring that this conflict does not flare up further. There is bound to be some reaction in Gaza, but any major provocation that would involve Lebanon and Iran must be avoided. India's interest also lies in ensuring that peace and stability is established in the region soon. Crude oil prices are already too high for India and it has recently announced participation in major infrastructure projects in West Asia. The India-West Asia-Europe Corridor (IMEC) depends on providing secure land connectivity between the ports of the UAE and Israel. Such a plan would be harmed if relations between Arab countries and Israel deteriorate or if the fighting on Israel's border continues for a long time.

India will have to give a balanced response to the immediate problem while at the same time taking a long-term perspective. Unless peace is established between Israel and Palestine, there will be no peace in the west of India.

Madhya Pradesh Elections: New twist in the race of 'Who will become Chief Minister' by giving ticket to Shivraj

There is no doubt about Shivraj winning the assembly elections. The real concern is about the scenario after both he and BJP win the elections. One reason for this is that Shivraj has worked hard to erase the perception of displeasure towards himself and his government. A few hours after the formal announcement of assembly elections in five states including Madhya Pradesh, a new twist has come in the undeclared race of 'Who will become the Chief Minister' in the state by giving ticket to the current Chief Minister Shivraj Singh Chauhan in the fourth list of candidates released by the BJP in Madhya Pradesh. That is, if BJP wins, Shivraj will be a strong contender to become the CM for the fifth time and after fielding many MPs included in the second list in the assembly elections, the ongoing speculations about the possible new Chief Minister will automatically come to an end. Actually, the fourth list of BJP in this sense. It is interesting because the BJP high command has not taken even an iota of risk in this, nor has it done any experiment. The signal is clear that the party is no longer in a position to take more risks. The reason for this is probably the feedback he got from the ground that if he used more risky experiments then the game could go completely out of his hands. This is the reason why the BJP high command which had achieved a bumper victory in the assembly elections in Gujarat by working on the lines of 'I will change the entire house', now seems to be getting its back foot in Madhya Pradesh. Actually, there are many political implications of giving ticket to Shivraj again from his constituency Budhni. Although it was justified to give ticket to Shivraj, who has been the Chief Minister and the face of BJP in Madhya Pradesh for years, but this time clouds of doubt were looming over his ticket because Prime Minister Narendra Modi had started ignoring him publicly. Forget about being a contender for the post of Chief Minister again, his name was even stopped from being mentioned on the stage. Due to this, the message was being sent that the party wants to sideline Shivraj. Many names for the post of CM in the state - This speculation got further strength when names like Narendra Singh Tomar, Kailash Vijayvargiya, contenders for the post of Chief Minister in the state, were also fielded in the assembly election contest. Some of them openly said that the party is not making them contest 'just to make them MLA', while others said that the order to contest the elections has been given by their 'guru', which is to do something 'big'. The intention was clear that such faces have definitely been given tickets for some future 'big responsibility', which is not limited to the post of minister only. As far as those who aspire to become Chief Minister in BJP are concerned, Dr. is also in the fourth list. There are names like Narottam Mishra, Gopal Bhargava and Vijay Shah, who have been harboring the desire of becoming CM for years and are enjoying the satisfaction of being ministers. But now with Shivraj Singh Chauhan again entering the election arena, the first break has started in the minds of all such CM aspiring leaders. There is no doubt about Shivraj winning the assembly elections. The real concern is about the scenario after both he and BJP win the elections. One reason for this is that Shivraj has worked hard to erase the perception of displeasure towards himself and his government. In the last three months, he has broken all the old records through countless announcements, rallies, inaugurations, foundation stones, showing dreams and public connect. He did not commit any mistake in looting the government treasury on the lines of 'you will get whatever you ask for'. Should I contest elections or not? - I even asked the public, 'Should I contest elections or not?', despite knowing that even though the public votes, it does not give election tickets. Shivraj has now added Chyawanprash of Revadis to his old tried public connect formula. This recipe is from Madhya Pradesh. There is a new political testing in the assembly elections. Now, whatever may be its outcome, Shivraj has created such a political blend of determination and sympathy that it seems Modi-Shah could not at least stop Shivraj from getting the ticket. Even political leaders are not able to guess exactly what the mandate will be in the assembly elections in Madhya Pradesh. However, it has to be acknowledged that after initially lagging behind in this hurdle race, BJP has returned back to the contest. To ensure that the situation does not get worse, perhaps that is why the fourth list contains the same names which had won the 2018 elections. On the other hand, Congress is still confident in the belief that the public is ready to make it win. He has also kept the offerings of the Revadis in reserve. There is still restless curiosity about the list of Congress candidates. Those who have allegedly been hinted at getting tickets have started campaigning relying on the hint. Now again the matter of CM race. Suppose if somehow BJP returns to power then the question of lakhs will be 'Who will become the Chief Minister? 'Since the party is contesting the elections on the face of Prime Minister Narendra Modi, the first credit for victory will go to him. Since he is the Prime Minister and also refrains from becoming the Chief Minister, it is possible that a face of his choice may take charge of the government in the state. The catch here is that if BJP wins then that positive mandate will be on the work of Shivraj government only. In such a situation, Shivraj will again be the natural candidate for the post of CM. Example of Uttarakhand - If we take the example of Uttarakhand, Chief Minister Pushkar Singh Dhami had lost his election, but the party had won, hence the credit for the victory was given to the work of Dhami and his government. work and caste According to the equation, Dhami was made the CM again even after the defeat. If the BJP high command in Madhya Pradesh could not muster the courage to cut the ticket of Shivraj, then the main reason for this is that he is also the most influential face of OBC in the state. BJP has been doing OBC politics in Madhya Pradesh for two decades, in which Congress is now trying to make a dent by raising the demand of OBC census. To avoid this breach, it was necessary to give ticket to Shivraj. Otherwise wrong message would be sent to OBCs. However, Congress, which raised the issue of caste census, is completely shying away from the talk of making an OBC Chief Minister in the state. She would have got more benefit from this issue if she had also talked about projecting an OBC face as CM. However, if BJP wins, it will be difficult for it to choose a new CM face, because there are at least half a dozen contenders for the post of CM in the state. If a hand is laid on one, the other will get angry and caste equation is definitely inherent in it. In that situation, Shivraj can again be a 'compromising candidate'. Secondly, for the BJP high command today, winning the Lok Sabha elections is more important than winning Madhya Pradesh to retain the throne of Delhi. BJP's test in Hindi speaking states - In the present situation, BJP's position is not good in Bihar, Maharashtra, South and North-Eastern states. Due to this, it will have to get maximum seats from Hindi speaking states only. Then only Shivraj can appear as a capable face. The BJP's entire effort is to ensure that the opposition's caste census move in Madhya Pradesh does not make much of a dent in its OBC votes. Therefore, even if non-OBC faces are dreaming of the post of CM, the chances of it coming true are very less. Caste mathematics would hardly allow this. However, all these things are possible only when BJP wins the assembly elections. If it wins, then assume that the party will need Shivraj at least till the next Lok Sabha elections. After that, there will be another twist in the CM race in BJP, which will also decide the new direction of BJP's future politics in the state.

Assembly elections in five states: Will election rallies become the key to returning to power?

After being in power at the Center for nine and a half years, this election will be no less than a litmus test for Narendra Modi. This election is also important in the sense that governments in all the states have broken records in making populist announcements. The dates of Rajasthan, Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Telangana and Mizoram assembly elections, which are called the semi-finals of the Lok Sabha elections, have been announced. In the Hindi heartland states of Rajasthan, Madhya Pradesh and Chhattisgarh, the main contest will be between the Bharatiya Janata Party and the Congress. Here the reputation of Prime Minister Narendra Modi is at stake. After being in power at the Center for nine and a half years, this election will be no less than a litmus test for Narendra Modi. This election is also important in the sense that governments in all the states have broken records in making populist announcements. Freebies or election raves are also going to be tested in these elections. The public's attitude towards the opposition's caste census is also going to be known in these elections. If we talk state wise, there is a Congress government in Rajasthan. Chief Minister Ashok Gehlot has been saving his chair for the last five years. There were many such occasions in the last five years when it seemed that Gehlot's government would fall. In the year 2020, right in the midst of Corona, there was a rebellion in the Congress. The government was saved due to the wisdom of political magician Ashok Gehlot, but the Chief Minister remained dependent on independent MLAs. The result was that the Chief Minister remained more busy in pleasing the MLAs than in governance. Just six months before the elections, Gehlot made a series of populist announcements. From electricity bill waiver to distribution of free mobile phones, there would hardly be any sector for which Gehlot has not made an announcement. Increased from 33 to 53 districts. Boards were formed on the basis of caste. While Gehlot is trying to return to power on the basis of his public welfare schemes, the Bharatiya Janata Party is basing it on issues like corruption, law and order, paper leak, appeasement. However, due to internal rivalry in the state unit of the Bharatiya Janata Party, the elections are being fought on the face of Narendra Modi. Gehlot vs Modi in Rajasthan – The interesting thing is that the Gandhi family of Congress is missing from Rajasthan. The election has become Gehlot vs Modi. Sachin Pilot, who brought Congress to power last time, is silent while BJP's star leader and former Chief Minister Vasundhara Raje has been sidelined in the party. In Rajasthan, power has been changing every five years for the last three decades. It will be known on December 3 whether the custom will change or not. In Madhya Pradesh, in the year 2018, Bharatiya Janata Party had a few seats less than Congress. Congress had handed over the reins of power to experienced Kamal Nath in place of young Jyotiraditya Scindia, but due to Scindia's rebellion, Bharatiya Janata Party came back to power. Shivraj Singh Chauhan again became the Chief Minister, but speculations continued about changing the Chief Minister in Madhya Pradesh. Even though the elections are being fought with Shivraj Singh Chouhan as the Chief Minister, there is no clear indication from the party that if the Bharatiya Janata Party returns to power, he will get the chair. This time, the way the Bharatiya Janata Party has given tickets to Union Agriculture Minister Narendra Singh Tomar to senior Kailash Vijayvargiya, Union Ministers and MPs, Shivraj Singh Chauhan's uneasiness has increased. However, Chauhan is also looking for the key to returning .

हर विधानसभा में दलित अधिकार मांग पत्र भरवाएंगे कांग्रेसी

मुरादाबाद- दलित गौरव संवाद अभियान के अन्तर्गत कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता हर विधानसभा क्षेत्र में दलित अधिकार पत्र भरवाएंगे। इसमें उनकी पांच प्रमुख समस्या और सुझाव शामिल रहेंगे। जिलाध्यक्ष ने बताया कि दलित गौरव संवाद अभियान की जिले में शुरुआत 14 अक्टूबर से होगी। इसमें पार्टी पदाधिकारियों को हर विधानसभा में चिह्नित 20 गांवों में रात्रि चौपाल में पहुंचेंगे। दलित समाज के डाक्टर, वकील, शिक्षक, इंजीनियर आदि से दलित अधिकार पत्र भरवाया जाएगा। जिसमें उनकी 5 प्रमुख मांग और दलितों की समस्याएं एकत्रित करेंगे। हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम 10 रात्रि चौपाल लगाया जाएगा। पत्रकार वार्ता में महानगर अध्यक्ष अनुभव मेहरोत्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव दिनेश कुमार सिंह के द्वारा बताए गए बिंदुओं को स्थानीय स्तर पर पूरा कराएंगे। सम्मान के वास्ते संविधान के रास्ते के माध्यम से दलित समाज का गौरव दिलाया जाएगा। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान, राजेंद्र वाल्मीकि आदि मौजूद रहेंगे।गुरहट्टी स्थित कांग्रेस के जिला कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत में प्रदेश के सचिव व जिले के प्रभारी सुखराज सिंह और जिलाध्यक्ष असलम खुर्शीद ने कहा कि कांशीराम की जयंती 9 अक्टूबर को स्वाभिमान के वास्ते, संविधान के रास्ते कांग्रेस पार्टी दलित गौरव संवाद कार्यक्रम चला रही है। जो 29 नवंबर संविधान दिवस तक चलेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दलित समाज की सच्ची हितैषी है। उनको अधिकार संपन्न कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में किया गया था। अन्य राजनीतिक दलों की सरकार दलित समाज को के वल वोटबैंक समझती है।जिलाध्यक्ष ने बताया कि दलित गौरव संवाद अभियान की जिले में शुरुआत 14 अक्टूबर से होगी। इसमें पार्टी पदाधिकारियों को हर विधानसभा में चिह्नित 20 गांवों में रात्रि चौपाल में पहुंचेंगे। दलित समाज के डाक्टर, वकील, शिक्षक, इंजीनियर आदि से दलित अधिकार पत्र भरवाया जाएगा। जिसमें उनकी 5 प्रमुख मांग और दलितों की समस्याएं एकत्रित करेंगे। हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम 10 रात्रि चौपाल लगाया जाएगा। पत्रकार वार्ता में महानगर अध्यक्ष अनुभव मेहरोत्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव दिनेश कुमार सिंह के द्वारा बताए गए बिंदुओं को स्थानीय स्तर पर पूरा कराएंगे। सम्मान के वास्ते संविधान के रास्ते के माध्यम से दलित समाज का गौरव दिलाया जाएगा। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान, राजेंद्र वाल्मीकि आदि मौजूद रहें

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच के लिए अधिवक्ताओं ने जुलूस निकालकर किया प्रदर्शन

मुरादाबाद-हाईकोर्ट बेंच नहीं तो वोट नहीं के अधिवक्ताओं ने लगाए नारे, पीलीकोठी पर प्रदर्शन के दौरान सरकार पर लगाया हठधर्मिता का आरोप पश्चिमी उत्तर प्रदेश हाई कोर्ट बेंच स्थापना केंद्रीय संघर्ष समिति के आह्वान पर दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी व अन्य अधिवक्ता संगठनों से जुड़े वकीलों ने कचहरी परिसर से जुलूस निकालकर पीलीकोठी चौराहे पर प्रदर्शन किया। हाईकोर्ट बेंच नहीं तो वोट नहीं के अधिवक्ताओं ने लगाए नारे बुधवार की दोपहर 12ः00 बजे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की मांग को लेकर अधिवक्ता पहले बार एसोसिएशन परिसर में एकत्रित हुए। यहां से के जुलूस के रूप में एसबीआई और महिला थाना होते हुए पीली कोठी चौराहा पहुंचे। दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के अध्यक्ष अशोक कुमार सक्सेना, महासचिव अभय कुमार सिंह ने कहा कि इस क्षेत्र में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना अधिवक्ता और वादकारियों के हित में है। प्रदर्शन में एसोसिएशन के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य सुरेश चंद्र गुप्ता, विनीत भटनागर, हरिशंकर आर्य, रमा पांडेय, पारूल अग्रवाल सहित अन्य अधिवक्ता शामिल रहे।

जयंती पर लोकनायक जयप्रकाश को सपाइयों ने किया याद

मुरादाबाद-समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर महान नायक समाजवादी नेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पार्चन कर नमन कर श्रध्दांजलि दी।

विचार गोष्ठी में जिलाध्यक्ष डीपी यादव ने कहा कि जयप्रकाश नारायण जैसे लोग सदियों में जन्म लेते हैं और जनकल्याण के लिए अपना जीवन को समर्पित करते हैं। कहा कि भाजपा सरकार समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं से डरी हुई है। भाजपा सरकार द्वारा लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर उनके नाम पर बने स्मारक पर ताला लगाना अत्यंत निंदनीय है। कार्यक्रम में गजेन्द्र सिंह यादव, वेदप्रकाश सैनी, प्रेम बाबू वाल्मीकि, नाजिम सैफी, उस्मान घोसी, मुस्लिम चौधरी, महेंद्र सिंह शहजाद सिद्दीकी आदि उपस्थित रहे।

सड़कों के गड्ढे और पानी की पाइप लाइन फटने से बढ़ी परेशानी, बहकर बर्बाद हो रहा हजारों लीटर पानी

मुरादाबाद-वार्ड 47 सागर सराय में बुध बाजार, जीएमडी रोड पर सीवर लाइन व भूमिगत केबिल कार्य के चलते टूट रही पेयजल पाइप, वार्ड के पार्षद डॉ. गौरव श्रीवास्तव ने महापौर से की शिकायत महानगर में सीवरेज पाइप लाइन डालने व स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत बिजली के तारों को भूमिगत करने के कार्य से नागरिकों की परेशानी बढ़ गई है। कहीं काम में जेसीबी से पेयजल पाइप लाइन फटने से हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है तो पानी भरने से लोगों को तालाब जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। बुध बाजार, जीएमडी रोड, सिविल लाइंस से कलेक्ट्रेट की ओर जाने वाले रास्ते पर नाले व सड़क की खोदाई से गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। परेशान नागरिक पार्षदों को उलाहना दे रहे हैं। महानगर के वार्ड 47 के अन्तर्गत बुध बाजार के आर्य समाज स्कूल वाली सड़क में सीवरेज पाइप लाइन कार्य के चलते खोदाई कर छोड़े गए गड्ढों में पानी भरने से हादसे की आशंका है। बुध बाजार क्षेत्र में पेयजल पाइप लाइन फटने से हजारों लीटर पानी की बर्बादी हुई। यह स्थिति कई अन्य मोहल्लों की भी है। सिविल लाइंस के आंबेडकर पार्क से होकर कलेक्ट्रेट को जाने वाली सड़क पर दो महीने से नाला निर्माण चल रहा है। नाले को खोदकर कई जगह छोड़ने से गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। इस रास्ते से मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अन्य कई उच्चाधिकारी आवाजाही कर रहे हैं फिर भी काम में तेजी के लिए किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। मंगलवार को कार्य के चलते पाइप लगाकर मार्ग को बंद कर देने से हजारों लोगों को दूसरे रास्ते से कलेक्ट्रेट की ओर जाना पड़ा। जो लोग आधे रास्ते चले जाते थे उन्हें बीच में लौटना पड़ता था। जिससे सड़क पर कई बार जाम भी लगा। आशियाना और रामगंगा विहार कॉलोनी में भी सीवरेज पाइप लाइन डालने के कार्य से गड्ढों के बीच से लोगों को आना जाना पड़ रहा है कई जगह गहरे गड्ढे से हादसे का डर बना है। बुध बाजार, जीएमडी रोड पर सड़कों की खोदाई और नाला निर्माण कार्य से कारोबार प्रभावित होने से व्यापारियों में नाराजगी है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने काली दिवाली मनाने की चेतावनी दी है। तो कई दूसरे व्यापारी संगठन भी कार्य के चलते नागरिकों की परेशानी और कारोबार प्रभावित होने से सिस्टम को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह का कहना है कि काम में तेजी लाने और टूटी सड़कों के गड्ढे जल्द भरने का निर्देश दिया है। कार्यदायी संस्थाओं की लापरवाही पर सख्ती होगी। जनहित से खिलवाड़ करने वालों को बख्शेंगे नहीं।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष : पिता की मौत के बाद अपनों के तानों से विचलित नहीं हुईं दीपा

मुरादाबाद- 18 सितंबर 2008 को बीमारी से पिता की मौत हो गई। चारों बेटियां अविवाहित थीं। बेटा बहनों में सबसे छोटा था। पति की मौत के बाद सुनीता के सामने तमाम सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का पहाड़ खड़ा हो गया था। खैर, उन्होंने अपने को संभाला और बच्चों को आगे बढ़ने में कोई चुनौती आड़े नहीं आने दी। उधर, अपनों के तानों की फिक्र छोड़ बेटियों ने भी तय कर लिया कि उन्हें समाज की मिथ्या सोच से निकलकर आगे बढ़ना है। बेटियों ने मां को समझाते हुए पढ़ाई पर ध्यान दिया। अपनी पढ़ाई संग ट्यूशन पढ़ाकर बेटियों ने जो मुकाम हासिल किया, उसे अब आस-पड़ोस के लोग और रिश्तेदार उदाहरण के तौर पर रख रहे हैं। हम बात कर रहे हैं महिला थानाध्यक्ष दीपा त्यागी की। वह चार बहनों में तीसरे नंबर की हैं और गणित से एमएससी हैं जबकि, बड़ी बहन गुंजन रसायन विज्ञान से एमएससी हैं। दरोगा पिता महेश चंद्र त्यागी की जगह दीपा ने मृतक आश्रित में पुलिस विभाग में 2012 में ज्वाइन किया था। इस समय इंस्पेक्टर हैं और मई 2022 से महिला थाने में सेवाएं दे रही हैं। दीपा त्यागी मूल रूप से ग्रेटर नोएडा के मकसूदपुर गांव की रहने वाली हैं। उनकी और बहनों की पढ़ाई-लिखाई बुलंदशहर में रहकर हुई। बुलंदशहर में वह माता-पिता व भाई-बहन संग देवीपुरा-द्वितीय में रहती थीं। वह बताती हैं कि पापा के गुजरने के दौरान उनका भाई शिवम आठ साल का था और दीपा उस समय डीएवी डिग्री कॉलेज से बीएससी कर रही थीं। बड़ी बहन गुंजन की पढ़ाई पूरी हो चुकी थी। गुंजन की शादी के लिए पिता लड़का देख रहे थे। उसे बुलंदशहर के ही ललिता प्रसाद इंटर कॉलेज में जॉब भी मिल गई थी। पिता की असमय मृत्यु से मां समेत पूरा परिवार टूट सा गया था। लेकिन, मां (सुनीता देवी) ने अपने संग बच्चों को संभाला। पिता के न रहने पर समाज और अपनों से ताने मिल रहे थे, उन्हें यादकर दीपा की आंखें भर आती हैं। मां के रहते हुए तीन बहनों गुंजन, प्रिया व दीपा की शादी हो गई थी। 2016 में उनकी मां भी गुजर गईं। अब घर में छोटी बहन पूजा व भाई शिवम बचे थे। इस बीच इनकी तीनों बड़ी बहनों ने अपनी छोटी बहन और भाई को कभी अकेले नहीं छोड़ा। दीपा और उनकी दोनों बड़ी बहनों ने मिलकर छोटी बहन पूजा की शादी की और भाई शिवम को वह मुंबई से एमबीबीएस करा रही हैं। दीपा अपनी और बहनों की कामयाबी पर बेहद खुश हैं। बताती हैं कि उनकी दूसरे नंबर की बहन प्रिया ने एमसीए कर रखा है। वह पति संग बिजनेस में व्यस्त है। छोटी बहन पूजा एमबीए है, वह बुलंदशहर में पढ़ाती हैं। इन सभी ने बेसिक पढ़ाई ललिता प्रसाद इंटर कॉलेज में ही की है, जबकि स्नातक व परास्नातक डीएवी डिग्री कॉलेज से किया है। दीपा की दो बेटियां नव्या व नित्या हैं। पति हरीश त्यागी हेड कांस्टेबल हैं।

पिता की मौत से एक दिन पहले आई थी किस्मत

दीपा बताती हैं कि हाईस्कूल से लेकर बीएसएसी तक की परीक्षा में वह प्रथम ही रहीं। वह वैज्ञानिक बनना चाहती थीं। मुंबई भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में जाने के लिए आवेदन किया था। पिता की मृत्यु के एक दिन पहले परीक्षा का प्रवेश पत्र प्राप्त हुआ था, इन्हें 20 सितंबर 2008 के दिन परीक्षा देने को इलाहाबाद (प्रयागराज) के विद्यालय केंद्र पर जाना था। लेकिन, उससे पहले 18 सितंबर को पिता की मृत्यु हो गई थी।

17 माह में 1306 दंपतियों में कराई सुलह

महिला थाना प्रभारी दीपा ने तैनाती के 17 महीने में 1306 बिछड़े दंपतियों का दोबारा घर बसवाने में अहम भूमिका निभाई है। पति-पत्नी दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर उन्हें समझाया है। सामाजिक ताना-बाना बताया। जरूरत पड़ी तो सख्ती भी दिखाई। कुल मिलाकर छोटी-छोटी बातों को लेकर अलग हुए पति-पत्नी को दीपा त्यागी ने फिर से उन्हें दांपत्य जीवन के सूत्र में पिरोया है।

बेटा-बेटी में फर्क नहीं मानते थे पापा

दीपा त्यागी बताती हैं कि पापा हम सभी बहनों को बेटा ही बोलते थे। वह बेटा-बेटी में कभी कोई फर्क नहीं करते थे। पापा कहते थे कि हम अपनी बेटियों से दूसरे की रोटियां (गृहणी) नहीं बनवाएंगे, उन्हें पढ़ाएंगे और आगे बढ़ाएंगे, ताकि जरूरत पर पैसे के लिए उनकी बेटियों को किसी दूसरे के आगे हाथ न फैलाना पड़े। पापा को जो पगार मिलती वह उन लोगों की पढ़ाई में लगाते थे।

मरीज की टेबल पर रखा पानी पी गया कुत्ता, मुरादाबाद जिला अस्पताल का मामला, बड़ी लापरवाही उजागर

मुरादाबाद - अस्पताल का वीडियो वायरल होने के बाद अधिकारी जांच की बात कह रहे हैं। उनका कहना है कि वीडियो कब और कौन से वार्ड का है इसका पता लगाया जा रहा है। कर्मचारियों को सख्त चेतावनी दी गई है। मुरादाबाद जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में कुत्ता मरीज की टेबल पर रखे गिलास का पानी पीता नजर आ रहा है। वीडियो सामने आने के बाद अस्पताल प्रबंधन और स्टाफ की लापरवाही सामने आई है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार ने इस पर संज्ञान लेते हुए संबंधित वार्ड के स्टाफ को तलब किया है। उनका कहना है कि वीडियो इमरजेंसी वार्ड का बताया जा रहा है लेकिन इसकी जांच की जा रही है कि वीडियो किस वार्ड का है। फिलहाल इमरजेंसी वार्ड के स्टाफ को सख्त चेतावनी दी गई है। वीडियो में दिख रहा है कि एक मरीज चारपाई में कराह रहा है। उसके पास के टेबल में एक गिलास रखा है। इसमें रखा पानी कुत्ता आराम से पी रहा है। इससे पहले जिला अस्पताल परिसर में नर्स के नहाने का वीडियो बनाने के मामले में चर्चा में आ चुका है। आरोप है कि परिसर में बने आवास के बाथरूम में नहाते समय नर्स का सिपाही ने वीडियो बनाया था। सिपाही की पत्नी भी स्टाफ नर्स है। वह पत्नी और बच्चों के साथ आवास में ही रहता है। पीड़ित नर्स का आरोप है कि शिकायत करने पर सिपाही ने मोबाइल से वीडियो डिलीट कर दी। पीड़िता ने इस मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की और सिपाही का मोबाइल कब्जे में ले लिया है। इस मामले में कोई केस दर्ज नहीं किया गया है। मूल रूप से बदायूं निवासी युवती सरकारी अस्पताल में स्टाफ नर्स है। वह परिसर में बने आवास में ही रहती है। इसी आवास के दूसरे कमरे में एक और नर्स अपने सिपाही पति और दो बच्चों के साथ रहती है। सिपाही मुरादाबाद में ही तैनात है। पीड़ित नर्स का आरोप है कि नर्सों के लिए कॉमन टॉयलेट और बाथरूम बने हैं। मंगलवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे वह बाथरूम में नहा रही थी। इसी दौरान उसे अहसास हुआ कि टॉयलेट में कोई मौजूद है और मोबाइल से वीडियो बना रहा है। नर्स बाथरूम से बाहर निकल आई तो उसने देखा कि सिपाही टॉयलेट में मौजूद था। उसने सिपाही को टी शर्ट पकड़ कर बाहर खींच लिया लिया। इसी दौरान सिपाही ने मोबाइल से वीडियो डिलीट कर दी। नर्स के शोर मचाने पर सिपाही की पत्नी और अन्य नर्स आ गईं। इसके बाद हंगामा शुरू हो गया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

नशीली दवा कि तस्करी करते अमरपाटन सतना का कैलाश पटेल ओर खडंनसेड़ा का बजरंगी पटेल हुए गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
पुष्पेंद्र तिवारी

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देश पर जिले भर में मेडिकल नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सतना जिले के रामपुर बाघेलान पुलिस को मिली बड़ी सफलता, टीआई रामपुर बाघेलान उमेश प्रताप सिंह,चौकी प्रभारी ओशो गुप्ता की अगुवाई में पुलिस टीम रेड कार्रवाई कर तीन तस्करों को पकड़ा। तस्करों के कब्जे से स्कार्पियो में लोड 2 लाख 44 हजार रुपए कीमत की 12 पेटी नशीली कफ सिरफ बरामद।

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड के लिए अमरपाटन महाविद्यालय की दो छात्राओं का हुआ चयन

क्यूँ न लिखूँ सच
पुष्पेंद्र तिवारी

अमरपाटन सतना- अमरपाटन महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की दो छात्राओं का चयन पूर्व गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। शासन द्वारा अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय की आरक्षित 05 सीटों में से 02 सीटों पर अमरपाटन महाविद्यालय ने किया कब्जा। कीर्ति मिश्रा और श्रद्धा चतुर्वेदी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय ही नहीं बल्कि अपने पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ एस पी सिंह और पूरे महाविद्यालय ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

दुर्गा उत्सव महासमिति ने जिलाधिकारी को बताईं समस्याएं, जल्द निराकरण कराने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। बुधवार को जिलाधिकारी से मां दुर्गा महाउत्सव में आने वाली समस्याओं के जल्द निराकरण कराने की मांग की गई। दुर्गा उत्सव महासमिति ने डीएम को ज्ञापन देकर विभिन्न मांगों को रखा। ज्ञापन में बताया कि जनपद में विभिन्न स्थानों पर मनाये जाने वाले मां दुर्गा महाउत्सव की केन्द्रीय संस्था है। मां दुर्गा महाउत्सव के सफल आयोजन के लिए हमेशा कटिबद्ध रहती है। मां दुर्गा उत्सव में आने वाली विभिन्न समस्याओं को महासमिति जल्द निराकरण कराए जाने की मांग करती है। ज्ञापन में बताया गया कि जनपद में आयोजित होने वाले श्री दुर्गा उत्सव के तहत बड़ी-बड़ी दुर्गा प्रतिमाएं पंडालों में विराजती है। मां के भक्त बड़े ही भक्ति भाव से मां की बड़ी-बड़ी प्रतिमाओं को अपने कंधों पर लाते हैं। महासमिति आपसे मांग करती है कि जल्द ही इन सभी दुर्गा प्रतिमाओं के आगमन और विसर्जन मार्गों को दुरुस्त करा दिया जाए, माता रानी की प्रतिमाओं के आगमन और विसर्जन के दौरान बाजारों में फैला अतिक्रमण हमेशा ही भक्तों को कष्ट देता है। महासमिति आपसे मांग करती है
कि जल्द ही बाजारों को अतिक्रमण से मुक्त करा दिया जाए, माता रानी की प्रतिमाओं को लाने, ले जाने के दौरान मार्गो में लटकते बिजली के तारों, पेड़ों की बड़ी-बड़ी शाखाओं को छटनी करा दिया जाए,प्रतिमाओं के पंडालों के पास एवं माता रानी के प्राचीन मंदिरों के पास सुरक्षा की दृष्टि से सीसी टीवी कैमरे लगवाए जाएं, माता रानी की प्रतिमाओं के विसर्जन वाले कुंड को, अन्य विसर्जन स्थलों को समय से साफ करा दिया जाए, इन स्थलों पर विशेष साफ सफाई व्यवस्था करा ली जाए, माता रानी के प्राचीन मंदिरों के पास एवं सभी पंडालों के पास पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए नगर निगम और जल संस्थान द्वारा टैंकर रोज रखवाया जाए, माता रानी के मंदिरों एवं पूजा पंडालों में खासतौर से शाम की आरती के वक्त बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए, श्री दुर्गा प्रतिमाओं के आगमन और विसर्जन के दौरान पारंपरिक वाद्य यंत्रों का ही इस्तेमाल हो, डीजे की आवाज को भी नियंत्रित कराया जाए। इस दौरान अध्यक्ष पुरूषोत्तम स्वामी ,महामंत्री विनोद अवस्थी, शोभा यात्रा संयोजक पीयूष रावत ,कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी गोकुल दुबे,अरविंद वशिष्ठ ,संतोष साहू ,अमर सिद्ध ,अमित चिरवरिया, मुकेश अग्रवाल, आलोक चतुर्वेदी , राजेश विरथरे,रवीश त्रिपाठी, अतुल किल्पन, एडवोकेट अजय मिश्रा ,सत्येंद्र पुरी गोस्वामी, मुकेश सोनी,अभिषेक साहू, पवन गुप्ता ,जयदीप खरे,एडवोकेट समीर तिवारी ,प्रभात शर्मा ,संजीव तिवारी ,अतुल मिश्रा ,एडवोकेट नरेंद्र अग्रवाल, विकास अवस्थी सूर्यप्रकाश अग्रवाल,पुरुकेश अमरया, एडवोकेट हेमंत राव मीडिया प्रभारी डॉ भूपेंद्र रायकवार , राहुल साहू , संजीव अग्रवाल लाला ,संजय खटीक ,अमन मिश्रा अतुल मिश्रा मार्तंड स्वामी, पहलाद साहू, राकेश त्रिपाठी, मुकेश सिंघल,कुलदीप सिंघल , राहुल साहू ,सचिन पटवा, प्रभात शर्मा, पंकज नोटा मिश्रा,मंजुल रोहित ,रोहित मेहरोलिया अभिषेक बाल्मिकी अरुण कुशवाहा गोलू रवि खटीक आदि उपस्थित रहे।

जिला संगठन जल्द से जल्द भत्ता दिलाये जाने के लिए प्रतिबद्ध

क्यूँ न लिखूँ सच
शेर सिंह

बरेली-राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बरेली द्वारा 18 सितंबर 2023 को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय को संबोधित ज्ञापन दिया गया था, जिसमे प्रमुख मांग संकुल शिक्षक का वार्षिक भत्ता दिलाने और एरियर निकलवाने की मांग की गई थी। उसी क्रम में क्लस्टर द्वारा महानिदेशक जी को पत्र जारी करके ग्रांट की मांग की गई है। कार्यालय से मिली सूचना के अनुसार एक वर्ष ग्रांट तो आई थी लेकिन कुछ तकनीकी कमी के कारण वह लैप्स हो गयी।जिला संगठन जल्द से जल्द भत्ता दिलाये जाने के लिए प्रतिबद्ध है और दिसंबर 2023 के बाद पूर्व में कार्य कर रहे शिक्षक संकुलों को बदलने की भी बात कही गयी है। -संकुल शिक्षक अपना कार्य पूरी मेहनत के साथ कर रहे है,उन्हें जो भत्ते की बात संकुल चयन के आदेश में कही गया थी,वो अति शीघ्र देनी चाइए।जिससे हम लोगो का मनोबल कम ना हो।- जितेंद्र गंगवार, संकुल शिक्षक

भाजपा के पूर्व पार्षद द्वारा महिला के साथ अश्लील हरकतों के मामले मे थाने मे हुआ प्रकरण दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच -महेश कछावा

नागदा- मामला पुलिस थाना मंडी का है जहा वार्ड क्र 16 के भाजपा के पूर्व पार्षद अनिल जोशी द्वारा वही मोहल्ले मे रहने वाली महिला के घर पर दोपहर मे दसवीं पास कराने के लिए कुछ दस्तावेज मागने के बहाने महिला को अकेला देखकर उसके घर मे घुसकर उस महिला के साथ अश्लील हरकतें करने लगा जिसका उस महिला ने विरोध भी किया ।आखिर न मानने पर महिला द्वारा नजदीकी मंडी थाने मे पूर्व पार्षद अनिल जोशी के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया जिसमे पुलिस द्वारा गंभीर मामले मे प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही शुरू करने की जानकारी प्राप्त हुई है।

त्योंथर क्षेत्र के शासकीय विद्यालय सराई में बच्चों की जिंदगी बर्बाद जिम्मेदार कौन

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

रीवा जिले के त्योंथर तहसील के अन्तर्गत शासकीय विद्यालय के बच्चों को नहीं मिल रही है कोई शासकीय सुविधा बच्चों के जिंदगी के साथ शिक्षक करते हैं खिलवाड प्रशासनिक अधिकारी रहते हैं मौन आखिर कब होगा ऐसे भ्रष्टाचारी कर्मचारियों पर कब होगी कार्रवाई ना तो बच्चों को कपड़ा मिलता है ना तो बच्चों को स्कॉलरशिप मिलता है और ना ही बच्चों को सही भोजन मिलता है और ना ही बच्चों को सही शिक्षा मिलती है जबकि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षकों को अच्छी वेतन दी जाती है फिर भी वह शिक्षक बच्चों की जिंदगी बर्बाद करने में लगे रहते हैं ऐसा ही मामला कुछ सराई ग्राम पंचायत से है वहां शिक्षकों की उपस्थिति भी सही नहीं रहती है बच्चों की संख्या रजिस्टर में अधिक उपस्थित है वर्तमान में बच्चे कमाते हैं इसी तरह सोहरवा विद्यालय का भी वही हाल है सूती विद्यालय का भी वही हाल है
आसपास के क्षेत्र में आज की विद्यालयों का बुरा हाल है अभी शिक्षकों को अगर पेमेंट समय पर ना मिले तो हड़ताल पर चले जाते हैं और जिन बच्चों की जिंदगी बर्बाद होती है तो उनके साथ क्या बीतता है आखिर विभागीय अधिकारी इस पर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं कब बच्चों को न्याय मिलेगा कब भ्रष्टाचार से मुक्त होगा शिक्षा विभाग जांच में आने से पहले बी आर सी , शिक्षकों को कर देते हैं फोन तो शिक्षक कहीं भी रहते हैं पहुंच जाते हैं विद्यालय ऐसा ही हाल अभी तो सोहर्वा विद्यालय का है जहां हेड मास्टर जितेंद्र कुमार चौधरी शिक्षकों बच्चों के साथ खिलवाड़ करते हैं एवं उनकी जिंदगी के साथ अभी वह अंक सूची बनाई कक्षा 8 में पास हुई एक लड़की की अनुसूची बनाएं उसमें डेट ऑफ बर्थ कुछ और था परन्तु लिखे कुछ और दिए हैं जिससे वह दर दर की ठोकने का रही है आज 4 महीने हो गए परंतु अभी तक उसे अंक सूची सुधरी हुई नहीं मिली क्या बच्चे इसी तरह दर दर की ठोकर खाते रहेंगे या फिर उन्हें भी न्याय मिलेगा क्योंकि आगे की भविष्य तो यही बच्चे हैं और जब शिक्षा नहीं तो फिर भविष्य क्या जिस ग्राम पंचायत के विद्यालय की स्थिति दयनीय हो तो समझिए की उस गांव का विनाश सुरू हो जाता है ऐसा महापुरुषों का कहना है

राजश्री में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा मानकीकरण पर विशेष कार्यशाला का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मेनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में बुधवार को भारतीय मानक ब्यूरो, नोएडा द्वारा उत्पादों के मानकीकरण, चिहांकन और गुणवत्ता पर एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी नवाबगंज एन. राम, संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सचिव राकेश कुमार अग्रवाल, एकेडेमिक एडवाइजर मिस तूलिका अग्रवाल, भारतीय मानक ब्यूरो नोएडा आफिस से जागृति तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि ने आई.एस.आई. मार्का, हॉलमार्क द्वारा उत्पादों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा के संदर्भ में विस्तार से बताया। संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने राष्ट्रीय मानकीकरण गतिविधियों को अर्थव्यवस्था के सुदृढीकरण के लिए बेहद उपयोगी बताया। संस्थान की एकेडेमिक एडवाइजर मिस तूलिका अग्रवाल ने दैनिक उपयोग से लेकर व्यवसायिक इस्तेमाल में प्रयुक्त होने वाली सभी वस्तुओं के नकली उत्पादों के प्रयोग में वेहद सर्तकता बरतने के लिए जागरूक किया। ब्युरो को इससे अवगत कराना उपभोक्ताओं की जिम्मेदारी बताया। भारतीय मानक ब्यूरो नोएडा ब्रांच आफिस से वक्ता मिस जागृति तिवारी ने बाजारीकरण के दौर में इलैक्ट्रानिक्स गैजेस्ट्स, केबिल्स, सिलेन्डर्स, खिलौने जैसे उत्पादो पर हॉलमार्क द्वारा उपभोक्ताओं के हितों पर विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर कार्यक्रम में भारतीय मानक ब्युरो से श्री दीपक, निदेशक शैक्षणिक डॉ. अनिल कुमार, डीन एकेडमिक्स डॉ. साकेत अग्रवाल, निदेशक शोध एवं विकास डॉ? पंकज शर्मा, प्राचार्य डॉ. सी पी. गंगवार, अनुज वर्मा, डॉ. स्वतंत्र गुप्ता, जसप्रीत सिंह, का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन शिवानी गौड़ ने किया।

राजा का रामपुर थाना कस्वा मे इंसानियत हुई तार-तार

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- कोर्ट के आदेश पर कब्जा दिलाने पहुंची पुलिस ने महिला क़ो जबरन घसीटकर निकाला, महिला बार-बार मिन्नते करती रही फिर भी महिला सिपाहियों का नही पसीजा दिल, महिला सिपाहियों ने महिला के गोद से मासूम बच्चे क़ो छीनकर किया दूर, बच्चे भी रोते विलखते रहे और महिला भी करती रही बार बार मिन्नते, फिर भी नही पसीजा तीनो महिला सिपाहियों का दिल, पुलिस कर्मियों ने अपने कारनामो क़ो छुपानो के लिए पत्रकारों के मोबाइल भी छीने और ढक्का-मुक्की की, देखिये महिला कैसे बार बार मिन्नते कर रही है और बच्चे किस तरह बिलख रहे है पुलिस कोर्ट का अनुपालन कराने गई थी पुलिस ने किसी क़ो नही घसीटा है- CO सुधांशु शेखर

परिवार परामर्श केंद्र ने कराया दो बिछुडे परिवारों का पुर्नमिलन

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में महिला थाना कैंपस नारी उत्थान केंद्र भवन में संचालित परिवार परामर्श केंद्र भवन में आज बुधवार को आपसी मतभेद के कारण टूटने की कगार पर खड़े दो परिवारों को समझाकर फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया गया। जिसमें वादी श्रीमती श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता पुत्री पप्पू सिंह निवासी ग्राम बड़गांव थाना पिलुआ जिला एटा व प्रतिवादी सोनू गुप्ता पुत्र कालीचरण निवासी मोहल्ला आर्य नगर माया टॉकीज थाना हाथरस जंक्शन जिला हाथरस रहे तथा दूसरे प्रकरण में वादी प्रियंका पुत्री सर्वेश कुमार निवासी ग्राम चांदपुर लोकशपुरा थाना सकीट जिला एटा व प्रतिवादी संजय कश्यप पुत्र रामचंद्र निवासी ठेकपुरा थाना सिकंदरा राव जिला हाथरस रहे आपसी मतभेद के कारण परिवार परामर्श केंद्र में पत्रावली प्रचलित थी। दोनों परिवारों को परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग कर समझाया गया। दोनों अपनी पिछली गलतियों को मानते हुए साथ रहने के लिए राजी हुए। आज की बैठक में प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण सिंह,काउंसलर डॉ निरुपम वर्मा,सीमा मल्होत्रा,पुलिस स्टाफ हेड कांस्टेबल मिथलेश, गौरी, पूजा मौजूद रहे।

नाबालिग के अपहरण तथा दुष्कर्म की घटना में वांछित दो अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- जनपद में सुदृढ़ कानून व्यवस्था बनाए रखने के परिदृश्य वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक धनंजय सिंह कुशवाहा के निकट पर्यवेक्षण में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बागवाला पुलिस द्वारा थाना बागवाला पर पंजीकृत मुअसं0 239/2023 धारा 364,376,504 भादवि व ड पोक्सो एक्ट में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों क्रमशः इमरान उर्फ छोटू पुत्र तकदीर अली निवासी नगला माह थाना दन्नाहार जिला मैनपुरी हाल निवासी करतला थाना बागवाला व मुनीर पुत्र अली मुहम्मद निवासी करतला को आज बुधवार को गोला कुआं के पास से गिरफ्तार किया गया है।गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुऐ जेल भेजा जा रहा है !

रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा को सौंपा गया ज्ञापन मतदान केंद्र नहीं बदल गया तो करेंगे चुनाव का बहिष्कार

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा जी से मुलाकात कर मझगवा ग्राम वासियों द्वारा सौपा गया ज्ञापन और रामदास शुक्ला सहित ग्राम वासियों का कहना है कि अगर मतदान केंद्र नहीं बदल गया तो करेंगे चुनाव को बहिष्कार ग्राम झिरिया 188 वार्ड क0 19 तथा 20 ग्राम पंचायत मझगवा तहसील सिरमौर विधान सभा क्षेत्र 69 सेमरिया जिला रीवा मध्य प्रदेश के मतदान केन्द्र अभी तक परिवर्तन न होने के कारण चुनाव का किया जाएगा बहिष्कार रामदास शुक्ला एवं ग्राम वासियों के द्वारा एक लिखित ज्ञापन रीवा सांसद जी के नाम दिया गया है और कार्रवाई की मांग की गई है उपरोक्त विषयान्तर्गत सनम्र निवेदन है कि ग्राम झरिया का मतदान केन्द्र 157 लभौली विधान सभा था लोक सभा में किया जाता है, झिरिया से लभौली की दूरी 5-6 कि0मी0 है तथा 2 कि.मी. कच्ची रास्ता है
जबकि झिरिया से मझिगवा की दूरी 1 कि.मी. है अनुविभागीय अधिकारी महोदय सेमरिया को मतदान केन्द्र परिवर्तन करने के लिए आवेदन पत्र दिया किन्तु अभी तक परिवर्तन नहीं किया गया । हम ग्राम वासियों के मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है- हम ग्राम वासी दिनॉक 03.05.2023 को अनुविभागीय अधिकारी सिरमौर से मिलकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किये दिनॉक 26.5.2023 को निर्वाचन शाखा सिरमौर को पुनः जाकर पूछा तो बताया गया की ई-मेल के द्वारा सेमरिया निर्वाचन शाखा को कार्यवाही हेतु भेज दिया गया है। दिनॉक 26.06.2023 को अनुविभागीय अधिकारी सिरमौर को पुनः आवेदन पत्र दिया तो उन्होनें बताया ई-मेल द्वारा सेमरिया को कार्यवाही हेतु भेजा गया है। दिनॉक 24.07.23 अनुविभागीय कार्यालय निर्वाचन आयोग सिरमौर में जाकर जानकारी की गई तो बताया गया कि ई-मेल के माध्यम से संबधित अधिकारी सेमरिया को कार्यवाही हेतु भेजा गया है तथा डाक के माध्यम से पत्र कमॉक 363 दिनॉक 10.07.2023 को निर्वाचन आयोग सेमरिया को भेजा गया है। बी0एल0ओ0 श्री राजीव द्विवेदी द्वारा मतदान केन्द्र परिवर्तन हेतु प्रतिवेदन दिनांक 11.07.23 तथा दि028.07.2023 मतदान केन्द्र परिवर्तन की अनुशंशा की गई है। कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी सेमरिया के पत्र कमॉक 390 दिनॉक 01.09.2023 आदेश के अनुसार मतदान केन्द्र 157 लभौली के द्वारा दिनाक 11.07.2023 एवं 28.07.2023 को मतदान केन्द्र परिवर्तन हेतु अनुशंसा प्राप्त हुई आज दिनांक तक कोई कार्रवाई न होने के कारण आज ग्राम वासियों के द्वारा इकट्ठा होकर मुख्यमंत्री महोदय जी को भी ईमेल द्वारा भेजा गया है साथ ही साथ रीवा निर्वाचन अधिकारी को भी सौपा गया है और निवेदन किया गया है ग्राम वासियों के द्वारा की अतिशीघ्र कार्रवाई की जाए

आखिर क्यूँ लैक्सेस उधोग ने जप्त ऐसीड से भरे टैंकर को अपने परिसर मे रखने की अनुमति दी

क्यूँ न लिखूँ सच
महेश कछावा

नागदा- विगत कई समय से शहर के ऐसीड माफियो द्वारा ट्रको के माध्यम से भरकर ऐसीड को कभी नदी मे तो कभी नाली के जरिए फेंकने का काम किया जा रहा था।जिसमे प्रशासन द्वारा कई बार कार्रवाई भी कि गयी ओर दोषियों को जेल तक पहुंचाने का काम पुलिस प्रशासन ने किया ।मगर आज तक यह सिलसिला बंद नही हुआ।उसी कि एक कडी रात को पुलिस के हाथों लगी जिसमे ऐसीड को नागदा बायपास पर एक टैंकर से दूसरे टैंकर मे डाला जा रहा था जिसमे पुलिस को सूचना मिलने पर थाना प्रभारी नलीन व उनकी टीम ने दोनो ट्रक को ड्राइवर सहित गिरफ्तार कर ट्रक मालिक कमल गोखले पर प्रकरण भी दर्ज कर ट्रक के अपने कब्जे मे कर लिया ।वही एक बात पता चली है कि इतना गंभीर मामला नागदा मंडी थाने का होने पर भी ट्रक को बिरलाग्राम थाने क्षेत्र की एक बहुराष्ट्रीय कम्पनी लैक्सैस उधोग के परिसर मे रखा गया ।जब कि न ट्रक लैंन्सेक्स कम्पनी का ओर न ही ऐसीड कम्पनी फिर उधोग प्रबंधन ने आखिर कम्पनी ने ऐसीड से भरा ट्रक अपने परिसर मे रखने की अनुमति क्यों दे दी गयी ।जब कि शहर मे चर्चा रहती है कि उधोग सुरक्षा नियमो का शक्ति से पालन करते है।आखिर क्यों इतना खतरनाक निर्णय लेने की जरूरत उधोग प्रबंधन को पडी ।जहा हजारो लोग इस उधोग मे काम करते उनकी सुरक्षा का ध्यान क्यो नही आया ।अगर इन टैंकरों से उधोग मे कुछ हादसा हो जाता है तो इसका जवाबदार कोन होगा।इतनी बडी गलती एक बहुराष्ट्रीय कम्पनी द्वारा किया जाना शहर के लिए विचारणीय प्रश्न,है।

मुलायम सिंह यादव नेता जी को श्रद्धांजलि देने के लिए उमड़े लोग, जिला उपाअध्यक्ष ने अर्पित किए पुष्प

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद मे मंगल सिंह यादव ने भी नेताजी को पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। साथ ही,आवास पर शांति यज्ञ पाठ कराया गया। फर्रुखाबाद जिले के शंकर नगला गांव में समाजवादी पार्टी के संस्थापक नेताजी मुलायम सिंह यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर उनकी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया इसकी भव्य तैयारियां का सोमवार शाम को अंतिम रूप दे दिया मंगलवार सुबह से ही नेताओं और कार्यकर्ताओं का जमावड़ा शुरू हो गया है।

समाजवादी पार्टी की जिला उपाअध्यक्ष मारिया आलम ने मुलायम सिंह यादव को श्रदाँजलि देकर उनके कार्यो की याद किया समाजवादी कार्यकर्ताओं के द्वारा नेताजी मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी यहां पर बैठने के लिए पंडाल में अधिक से अधिक कुर्सियां लगाई गई थी।जिसमे लोगो को जगह तक नहीं मिल सकी नेताजी को याद करके लोग भाबुक हो गए मुलायम सिंह के चित्र को फूलों से सजाया गया था। सपा जिला उपाअध्यक्ष ने नेताजी को पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी है। उपाअध्यक्ष मारिया आलम ने बताया पूर्व विधायक इजहार आलम खा का इस पार्टी से गहरा सम्बन्ध रहा है और और मेरे पिता को लोग आज भी दिल में बसाए हुए है गांव में जैसे ही शंकर नगला में मारिया आलम का भबसुहाघट किया गया जिलाउपाअध्यक्ष मारिया आलम ने मुलायम सिंह यादव एक आदर्श नेता रहे उनके अच्छे विचार व बिना वेदभाओ के काम किया उन्होंने गरीब व पिछड़े वर्ग के लोगो के हमेशा साथ दिया शिक्षा पर विशेष जोर दिया साथ ही साथ बेरोजगारो को रोजगार तथा बेटिओ को अच्छी शिक्षा समाजवादी एम्बुलेंस का चलन समाजवादी पार्टी की ही देन है आज हमें उनकी कमी खल रही है इस बात को सुन कर गांव के लोग बाभुक हो गय उसके बाद जिला उपाअध्यक्ष मारिया आलम को गांव शंकर नगला मे घर घर घूम कर ग्रामवासियो ने आशीवार्द दिया उनके सर पर हाथ रख कर दुआ दी इसमें सपा जिला उपाअध्यक्ष मारिया अलाम सपा के साथ मंगल यादव रामसरन कठेरिया अमित यादव बदन सिंह दयाराम यादव रामदास सिंह यादव कश्मीर सिंह आदिल खान जाहिद खान मोर श्री पातीराम यादव शान मियां अरबाब खान प्रियांशु यादव संजेश यादव किशन यादव पहुंचे।

सूरजपुर के पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को दी गई विधान सभा निर्वाचन के संबंध में प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर- जिले के समस्त पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को विधानसभा निर्वाचन के दौरान बरते जाने वाले सावधानियों, मतदान के दौरान पुलिस के कर्तव्य व निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने को लेकर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला के निर्देश पर अनुविभागवार चरणबद्ध प्रशिक्षण, कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। 11 अक्टूबर को प्रथम चरण का पुलिस अनुभाग सूरजपुर, ओड़गी, रक्षित केन्द्र व समस्त कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल व मास्टर ट्रेनर प्राचार्य पी.सी.सोनी द्वारा दिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल ने कहा कि निष्पक्ष चुनाव कराना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। लोग बिना किसी भय, प्रलोभन के मतदान कर सकें, इसके लिए उचित वातावरण बनाए रखने में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मास्टर ट्रेनर पी.सी.सोनी ने पुलिस अधिकारियों को मतदान के पहले, मतदान के दिन और मतदान के बाद की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई।

विधान सभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता को लेकर पुलिस के कर्तव्य और उनके कार्यो की जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों को चुनाव आयोग के द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के संबंध में अवगत कराया गया। इस दौरान मास्टर ट्रेनर एस.पी.निषाद, सीएसपी एस.एस.पैंकरा, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, डीएसपी नंदिनी ठाकुर, रितेश चौधरी, एसडीओपी प्रतापपुर अरूण नेताम, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, प्रशिक्षु डीएसपी स्निग्धा सलामे, रक्षित निरीक्षक रामप्रसाद पैंकरा, अशोक गिरी, थाना-चौकी प्रभारी, थाना-चौकी, समस्त कार्यालय व पुलिस लाईन के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

पर्यावरण क्षति प्रतिपूर्ति की वसूली की जाएगी

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- एटा जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह द्वारा दिये गये निर्देशानुसार उप कृषि निदेशक रोताश कुमार जनपद के समस्त किसान भाइयों को अवगत कराया है कि धान फसल के अवशेष (पराली जलाने पर 2 एकड़ से कम क्षेत्र के के लिए रु. 2500-00 दो एकड़ से पांच एकड़ क्षेत्र के लिए रु.5000-00 और पांच एकड़ से अधिक क्षेत्र के लिए रु.15000-00 तक पर्यावरण क्षति प्रतिपूर्ति की वसूली की जाएगी। पुनरावृत्ति करने पर सम्बंधित के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जाएगी, यह भी अवगत कराया है कि पराली जलाने की घटना चाहे किसी भी समय की जाए

सेटेलाईट द्वारा रिकॉर्ड की जाती है पराली जलाने वाला कोई भी कृषक इससे बच नहीं सकता। अतः सभी किसान भाइयों से अपील है कि पराली को न जलाएं या तो उसी खेत में उसे पलट दें अथवा नजदीकी गौशाला को दान कर दें। पराली खेत में जलाये जाने से मृदड़ा के सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं। जिस कारण खेत की उर्वरता में कमी आ जाती है और फसल की उत्पादकता भी कम हो जाती है।

ग्राम पंचायत सोहर्वा के बीएलओ जीतेन्द्र चौधरी से जनता परेशान जिम्मेदार कौन

क्यूँ न लिखूँ सच -आलोक मिश्रा

त्योंथर तहसील के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सोहर्वा की जनता परेशान बी एल ओ नहीं कर रहे हैं जनता के समस्याओ का समाधान ग्राम पंचायत की जनता दर-दर भटक रही है रिकॉर्ड सुधरवाने के लिए सभी दस्तावेज बी एल ओ को सौंपती है परंतु बी एल ओ के द्वारा रिकॉर्ड में संशोधन के लिए दिए गए दस्तावेज एवं शुल्क के बावजूद भी रिकॉर्डिंग नहीं सुधरता जिससे ग्राम पंचायत सोहरवा की जनता परेशान है ना तो इन्हें बीएलओ पद से हटाया जाता है और ना ही यह अच्छे तरीके से कार्य कर रहे हैं एक कार्य सुधरेंगे तो दूसरा कार्य गलत कर देंगे जिससे कि वह बार-बार जनता सुधार आए और इनको बार-बार पैसा दे आखिर कब हो गया ऐसे भ्रष्टाचारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही या फिर ऐसे ही चलती रहेगी कालाबाजारी इसकी जिम्मेदार कौन आखिर क्यों सताया जाता है गरीबों को क्योंकि ऐसे बी एल ओ से ग्रामीण जन हैं परेशान ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोप के अनुसार बी एल ओ जीतेन्द्र चौधरी की लापरवाही आए दिन सामने आती रहती है परन्तु ऐसे भ्रष्टाचारियों के ऊपर प्रशासनिक कार्रवाई क्यों नहीं की जाती क्या अधिकारियों के मिली भगत से चलता है ऐसा काम आखिर क्यों गरीबों का चूस जाता है खून झल्ले कोल आज 6 महीने से बी एल ओ जीतेन्द्र चौधरी के पीछे भटक रहा है परन्तु बी एल ओ के द्वारा रिकॉर्ड सुधारा नहीं गया जिस वजह से झल्ले कोल को शासकीय सुविधा ऐ नहीं मिल पा रही है जिससे परेशान व्यक्ति दर दर की ठोकरें आखिर कब तक खाएगा इसके जिम्मेदार कौन

अस्पताल अधीक्षक व उनके साथियों के द्वारा वृद्ध के साथ मारपीट करने से मौत हो जाने का परिजनों ने लगाया आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद कायमगंज में महिला ने कोतवाली कायमगंज पुलिस को तहरीर देते हुए।कहा है कि मेरे पति को डॉक्टर व एक अन्य 3 अज्ञात लोगो ने मारपीट कर मार डाला। आपको बताते चले कि कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत चिलाका निवासी राम प्रकाश उर्फ लाला 04/10/2023 को घर से होटल से रोटी लेने के लिए घर से निकले थे।परंतु घर वापस न आने के पर खोजबीन की गई।परिजनों के द्वारा 05/10/2023 को गुमशुदगी की तहरीर कोतवाली पुलिस को दी थी।तो कुछ लोगो ने बताया कि उनका एक्सीडेंट हो गया था।कुछ लोग उन्हें हॉस्पिटल ले

गए थे।जब परिजन व महिला हॉस्पिटल पहुंची।तो प्रार्थिनी के पति वहा नही थे।पूछने पर कायमगंज हॉस्पिटल के डॉक्टर व किसी कर्मचारी ने सूचना नही दी।प्रार्थिनी के पति दिनांक 05/10/2023 को घायल अवस्था में दिन के लगभग तीन बजे मोहल्ला छपट्टी तहसील के पीछे मिले।पूछने पर प्रार्थिनी के पति ने बताया कि डॉक्टर विपिन व अभय व तीन अज्ञात लोगो ने दिनांक 04/10/2023 की रात में डॉक्टर विपिन के हॉस्पिटल स्थित क्वार्टर पर मारपीट कर घायल कर दिया था। प्रार्थिनी के पति के मिलने के बाद हॉस्पिटल में जाने पर राम मनोहर लोहिया फर्रुखाबाद के लिए रेफर कर दिया गया।हालत को गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने लोहिया अस्पताल से कानपुर के लिए रेफर कर दिया था।07/10/2023 को प्रार्थिनी के पति की मृत्यु हो गई थी। प्रार्थिनी के पति की मृत्यु डॉक्टर विपिन व अभय व तीन अज्ञात लोगो द्वारा मारपीट करने पर गंभीर रूप से घायल हो जाने के कारण हो गई है। कोतवाली पुलिस को तहरीर दे कर कार्यवाही की मांग की है।

पराली दो खाद लो के तहत किसान उठा सकते हैं योजना का लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

बरेली- संयुक्त कृषि निदेशक डॉ0 राजेश कुमार ने बताया कि खरीफ अभियान-2023 लगभग समाप्ति की ओर है, जिसमें धान की फसल पकने को तैयार हो रही है, धान की फसल पकने के उपरान्त किसान भाईयों द्वारा फसल अवशेषों को प्रायः खेत में ही जला देते है, जिससे पर्यावरण एवं भूमि की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा खराब (नुकसान) होती है। फसल प्रबंधन हेतु शासन द्वारा किसानों को प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्राप रेजीड्यू योजना के अन्तर्गत व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जा रहा है, जिसमें किसानों की जनपद स्तर, न्याय पंचायत स्तर पर किसान गोष्ठियों का आयोजन तथा मण्डल, जनपद, विकास खण्ड, तहसील कार्यालयों एवं कृषि मण्डियों पर स्थाई होर्डिंग लगाये गये हैं। इसी सम्बन्ध में रेड़ियों/पेपर, बाल पेंटिग एवं अन्य माध्यमों से भी फसल जलाये जाने पर होने वाले दुष्परिणामों के बारे में अवगत कराया जा रहा है। किसानों को जागरूक करने हेतु भारत सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबन्ध में प्रयुक्त होने वाले नवीन कृषि यंत्रों जैसे फार्म मशीनरी बैंक संस्थानों (एफ0पी0ओ0) को दिये जाने पर 80 प्रतिशत तथा प्रत्येक कृषि यंत्रों जैसे कम्बाइन हार्बेस्टर, हैपी सीडर, पैडी स्ट्राचापर, रोटरी स्लैशर, सीड ड्रिल इत्यादि कृषि यंत्र पर 50 प्रतिशत अनुदान भी देय है। संयुक्त कृषि निदेशक ने किसान भाइयों से अनुरोध किया है कि फसल अवशेष को न जलाये बल्कि वेलिंग मशीन द्वारा वेल्स बनाकर इनको एच0पी0सी0एल0 बायोगैस प्लान्ट दातागंज-बदायूँ, बायोएन्जी प्लान्ट फरीदपुर में भेजकर अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी कमा सकते हैं। साथ ही गौशालाओं में आपूर्ति कर पराली दो खाद लो के तहत किसान उक्त योजना का लाभ उठा सकते हैं। किसान भाई पूसा बायो डी-कम्पोजर/यूरिया का छिड़काव कर पराली का इन-सीटू प्रबन्धन कर खेत में जीवांश की मात्रा बढ़ा सकते हैं साथ ही पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं। किसान भाई किसी भी दशा में फसल अवशेषों को न जलायें, यदि जलाते हैं तो मा0 राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण, नई दिल्ली के आदेश के अनुसार फसल अवशेष जलाना दण्डनीय अपराध है, जो कि निम्नवत् है-दो एकड़ से कम भूमि वाले कृषकों के लिए रू0 2,500 प्रति घटना, दो एकड़ से पॉच एकड़ भूमि रखने वाले लघु कृषकों के लिए रू0 5,000 प्रति घटना व पॉच एकड़ से अधिक भूमि रखने वाले बड़े कृषकों के लिए रू0 15,000 प्रति घटना है।।

कमलनाथ से मिले कांग्रेस नेता घनश्याम जांगड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच
महेंद्र जैलवाल

कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ जी और दिग्विजय सिंह जी से मिले।और दोनो नेताओ से कहा की जो लोग पिछले तीन चार चुनाओ से टिकट मांग रहे है उनका पहला अधिकार है। उनको ही टिकट मिलना चाहिए ताकि आष्ठा से चुनाव जीत सके। पहले भी पिछले चुनावों में जब अचानक पार्टी में एक नए नेता को हाई कमान द्वारा टिकट देकर आष्ठा भेज दिया था। ईस कारण पार्टी लगातार 3 चुनाव हारी है। फिर जानकारी आ रही हे अब भी किसी नए नेता को टिकट दिया जा रहा है। अगर ऐसा हुआ तो रिजल्ट कांग्रेस के पक्ष नही आने वाला। पिछले कई बार से अनुसूचित वर्ग मालवीय समाज

को टिकट दिया जा रहा हे लेकिन क्षेत्र में चर्मकार जांगड़ा के जाति के भी 30 हजार वोटर है। की लो कांग्रेस के परंपरा गत वोटर हे। जो आजादी से आज तक सिर्फ कांग्रेस पार्टी को वोट देते आए हैं। अब भी पूरी निष्ठा से कांग्रेस के साथ खड़े हैं ।आज दोनो नेताओ को ये अवगत करवाया गया है। ये आश्वासन पार्टी नेताओ द्वारा दिया गया हे इस बार टिकट काफी सोंच विचार कर के दिया जाएगा।

सिरमौर के अतरैला में पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत मान और आप के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. संदीप पाठक की चुनावी सभा

क्यूँ न लिखूँ सच
रामदास शुक्ला

भगवंत मान ने आप प्रत्याशी सरिता पाण्डेय के लिए मांगा समर्थन, लोगों से भारी मतों से जिताने की अपील की भाजपा के लोग कहते हैं कि डबल इंजन की सरकार, अरे इंजन में दम हो तो एक इंजन भी बहुत होता है-भगवंत मान कांग्रेस को वोट दोगे तो भाजपा को जाएगा, कांग्रेस के विधायकों को खरीदकर भाजपा फिर सरकार बना लेगी- भगवंत मान सिरमौर के अतरैला में आप प्रत्याशी के पक्ष में पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत मान और आप के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. संदीप पाठक ने चुनावी सभा की।

उन्होंने आप प्रत्याशी सरिता पांडे के लिए समर्थन मांगा और जनता से जिताने की अपील की। पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत मान ने कहा कि जनता को 5 साल में एक ही दिन और वह भी 9 घंटे मिलते हैं। जनता अगर ठान ले तो सत्ता बदल सकती है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में अबकी बार जनता बदलाव का मन बना चुकी है। जिला मीडिया प्रभारी वेद प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सभा में मुख्य रूप से मध्य प्रदेश के सहप्रभारी दिनेश चढ़ाढा, प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल, लोकसाभा प्रभारी अमित सिंह, जिला अध्यक्ष महर्षी सिंह, पूर्व विधायक राजकुमार उर्मलिया, ओबीसी विंग के जिला अध्यक्ष भक्तराज सिंह पटेल, पूर्व पत्याशी प्रमोद प्यासी आदि जिले के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय सुभाष नगर बरेली में कला प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

बरेली- अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत महिलाओं के सशक्तिकरण, स्वावलंबन एवं महिलाओं व बालिकाओं के स्वास्थ्य व शिक्षा की स्थिति को बेहतर बनाए रखने कन्या भ्रूण हत्या,बाल विवाह को समाप्त करने, बालिकाओं के जन्म के प्रति समाज व आमजन में सकारात्मक सोच बिकसित करने, उनके उज्जवल भविष्य की आधार शिला रखने के उद्देश्यओं की पूर्ति हेतु किया जा रहा है दिनाँक 11,10.2023 को जनपद बरेली में जिलाधिकारी बरेली के आदेशानुसार व श्रीमती मोनिका राणा जिला प्रोबेशन अधिकारी बरेली के निर्देश के क्रम में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत रिंकी सैनी जिला समन्वयक महिला शक्ति

केंद्र के द्वारा कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय सुभाष नगर बरेली में कला प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बच्चियों के लिए प्रथम द्वितीय व तृतीय पुरस्कार भी दिया गया इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी बच्चों को उपहार दिया गया बालिकाओं व लड़कियों को उनकी समस्याओं के प्रति जागरूक करने उनके अधिकारों के प्रति अवगत कराया अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का थीम our time is now, our rights, our future है जिसमें बालिकाओं को , बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना व मिशन शक्ति तथा बाल विवाह के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई एवम समस्त हेल्पलाइन नंबर 112 पुलिस हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1090 102 स्वास्थ्य सेवा, 108 एम्बुलेंस सेवा आदि के बारे में अवगत कराया गया ।

13 अक्टूबर से 02 दिसम्बर तक है नॉमिनेशन टीम , पोलिंग पर्सन, सेक्टर ऑफिसर, कमीशनिंग टीम इत्यादि का प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच-रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर- 13 अक्टूबर से 02 दिसम्बर तक विधानसभा निर्वाचन 2023 के सफल निष्पादन के लिए लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले के विभिन्न प्रशिक्षण स्थालों में चलाया जायेगा।

प्रशिक्षण का विवरण क्रमशः नॉमिनेशन टीम ट्रेनिंग, पोलिंग पर्सन ट्रेनिंग, ट्रेनिंग का निर्वाचन सामग्री दल, ट्रेनिंग का वीडियोग्राफी-फोटोग्राफ्स, माइक्रो ऑब्जर्वर्स ट्रेनिंग, ट्रेनिंग ऑफ असिस्टेंट एक्सपेंडिचर ऑब्जर्व्स, सेक्टर ऑफिसर ट्रेनिंग, कमीशनिंग टीम ट्रेनिंग, पोस्टल बैलट पेपर ट्रेनिंग, डिस्पैच एंड रिसीव टीम ट्रेनिंग, ट्रेनिंग ऑफ काउंटिंग पर्सनल, मॉक ड्रिल काउंटिंग है। जिसमें निर्धारित तिथि के अनुसार कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

स्मैक तस्कर शराफत हुसैन की 1.31 करोड़ की संपत्ति हुई जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी ड्रु स्मैक तस्कर शराफत हुसैन की 1.31 करोड़ की संपत्ति प्रशासन ने की जब्त कर नोटिस चस्पा किया। जानकारी के अनुसार जिलाधिकारी रविंद्र कुमार के आदेश पर फतेहगंज पश्चिमी स्मैक तस्कर शराफत हुसैन की 1.31करोड़ संपत्ति की जब्तीकरण की कार्रवाई की गई। आज मीरगंज एसडीएम राजीव शुक्ला, मीरगंज एसओ हरेंद्र सिंह, फतेहगंज पश्चिमी एसओ ललित मोहन की मौजूदगी में पुलिस प्रशासन की टीम ने फतेहगंज पश्चिमी मोहल्ला सराय वार्ड नंबर 13 ने स्मैक तस्कर शराफत हुसैन की सब्जी मंडी चौक में रोड़ के पास बने शोरूम (दुकान) एवं और उसकी पांच मंजिला बने आलीशान मकान को अपने कब्जे में लेकर सीज कर नोटिस चस्पा किया। पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं मीरगंज

एसडीएम राजीव शुक्ला ने बताया शराफत हुसैन फतेहगंज पश्चिम का बड़ा स्मैक तस्कर है और उसके ऊपर मीरगंज और फतेहगंज पश्चिमी समेत अन्य थानो में उसके खिलाफ मादक पदार्थों की स्मैक तस्करी समेत नौ मुकदमे है दर्ज। मीरगंज थाने में स्मैक तस्कर शराफत हुसैन पर गैंगस्टर की कार्रवाई हो चुकी है। मीरगंज पुलिस ने पिछले दिनों शराफत हुसैन की एक करोड़ 31 लाख 6027 रुपये की संपत्ति चिन्हित कर जब्त करने के लिए डीएम को प्रस्ताव भेजा था। जिसे मंजूरी मिलने के बाद आज दोपहर लगभग 3 बजे बुधवार को उसकी संपत्ति जब्त की गई। इससे पहले भी पुलिस फतेहगंज पश्चिमी के स्मैक तस्करों की 100 करोड रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त कर चुकी है। फतेहगंज पश्चिमी के तस्कर उस्मान, रेहना, फतेहगंज पश्चिमी चेयरमैन पति मोहम्मद शाहिद उर्फ कल्लू डॉन, नन्हे लंगड़ा समेत कई तस्करों पर कार्रवाई हो चुकी है।

जिलाधिकारी ने किया कलेक्ट्रेट प्रांगण और विभिन्न पटलो का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। जिलाधिकारी अविनाश कुमार द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर व कार्यालय के विभिन्न पटलों का औचक निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने कलेक्ट्रेट परिसर में बन रही मल्टीपरपज़ भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने किए जा रहे कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी समय से अपने कार्यालय में उपस्थित हो और जनसुनवाई किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय से गुणवत्ता के साथ किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि प्राप्त शिकायतों को किसी भी दशा में लंबित न रखा जाए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि कलेक्ट्रेट कार्यालय में लगे समस्त कक्षों की जांच कर ली जाए एवं कक्षों में लगे मकड़ी के जालों आदि को साफ करा लिया जाए। उन्होंने कहा कि आगंतुकों के लिए कार्यालय में पेयजल की भी व्यवस्था सुनिश्चित कर लें, इसके साथ ही उनके बैठने के

लिए भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर दी जाए। जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में बने शौचालय का भी निरीक्षण किया एवं उसकी नियमित साफ सफाई कराए जाने के निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट प्रांगण में बने पार्क की भी समुचित साफ-सफाई के निर्देश देते हुए उन्होंने शोभाकार पौधों को लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रिकॉर्ड रूम को देखा तथा रिकॉर्ड रूम के वेंटिलर पर एवं उसके समीप रखे अभिलेखों को हटाकर अन्यत्र रखे जाने के निर्देश दिए, ताकि रिकॉर्ड रूम का वेंटिलेशन बना रहे और रिकॉर्ड भी सुरक्षित रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि कलेक्ट्रेट स्थित समस्त कक्षों के वेंटीलेटर में लगे शीशों की जांच कर ली जाए एवं टूटे हुए शीशों को बारिश के पूर्व ठीक करा दिया जाए ताकि वर्षा के पानी से रिकॉर्ड को नुकसान ना हो। जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट के औचक निरीक्षण के दौरान गाड़ियों को सही ढंग से पार्क करने तथा सार्वजनिक पानी की टंकी की प्रॉपर सफाई करने के निर्देश दिए जिलाधिकारी श्री अविनाश कुमार द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित नजारत, भूलेख, आरआरके एवं ईआरके आदि विभिन्न अनुभागों का आकस्मिक भ्रमण किया, पटल सहायकों द्वारा संपादित किए जा रहे शासकीय कार्यों का निरीक्षण किया तथा शासकीय कार्य के सुचारू रूप से संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने समस्त पटेल सहायकों को निर्देशित करते हुए कहा कि पत्रावलियों का रखरखाव एवं शासनादेशों को सुरक्षित रखने हेतु गार्ड फाइल नियमित रखना सुनिश्चित करें।निरीक्षण के समय अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व एस के वर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन ए के सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट वरुण कुमार पांडेय एवं नाजिर सदर श्रीमती प्रीति उपस्थित रहे।

फिलिस्तीन के समर्थन में मार्च निकालने वाले छात्रों को यूनिवर्सिटी से बाहर किया जाए -राकेश कुमार

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सेक्टर प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने साफ कहा है कि फिलिस्तीन के समर्थन में एएमयू में मार्च जो निकल गया है वह असावधानिक है जिन छात्रों यह मार्च निकाला है उनको यूनिवर्सिटी से बाहर किया जाए बर्खास्त किया जाए इन छात्रों पर देशद्रोही का मुकदमा कायम हो एएमयू में अराजकता फैलाने वाले शरारती तत्वों को गिरफ्तार किया जाए एएमयू मैं अराजकता गुंडागर्दी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी जिन छात्रों ने यह कृति किया है उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो छात्रों पर मुकदमा कायम हो इंतजामिया का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है एएमयू की तरफ से कोई एक्शन नहीं लिया गया ऐसा लगता है कि प्रॉक्टर इंतजामियां का छात्रों पर कोई अंकुश नही भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने अराजकता के लिए फिलिस्तीन को समर्थन देना एएमयू इंतजामियां तो जिम्मेदार ठहराया है आपत्तिजनक आपत्तिजनक नारेबाजी करना देशद्रोह के संज्ञान में आता है फिलिस्तीन का समर्थन करने वाले छात्रों को बर्खास्त किया जाए उन छात्रों पर देशद्रोही का मुकदमा कायम किया जाए

पत्नी से अश्लील बातें बोल रहे दबंग को मना करने पर पति को पीटा

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ - अलीगढ़ हरदुआगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने गांव के ही एक दबंग युवक पर अश्लील इशारे व अश्लील बातें बोलने का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मिली जानकारी के अनुसार कि महिला का पति बाहर रहकर गाड़ी चलाता है महिला बच्चों के साथ गांव में रहती है। आरोप है कि गांव का ही एक दबंग युवक महिला का पीछा व गंदे गंदे सारे करता है दबंग युवक के हौंसले इतने बुलंद हैं कि वह बीच रास्ते में रोक महिला से संबंध बनाने की बात कहता है महिला द्वारा विरोध जताने पर दबंग युवक द्वारा चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी दी है। थाने में दी तहरीर के मुताबिक को रात 9-00 बजे महिला अपने पति के साथ खेत पर जा रही थी वहीं रास्ते में दबंग युवक अपने दोस्तों के साथ खड़ा था जो महिला की तरफ इशारे करने लगा जब महिला के पति ने विरोध किया तो सभी ने गाली गलौज करते हुए महिला के पति को लाठी डंडों से बेरहमी से पीटा व जान से मारने की धमकी दी। महिला द्वारा डायल 100 फोन करने तथा शोर मचाने पर युवक वहां से भाग गए।

जय प्रकाश के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत -राम नगीना सिंह

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

नयी दिल्ली- गत दिवस लोकनायक जय प्रकाश की जयंती की पूर्व संध्या पर बहादुरशाह जफर मार्ग स्थित कोटला मैदान के समीप लोकनायक स्मृति पार्क में श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन लोकनायक जयप्रकाश अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विकास केन्द्र के तत्वावधान में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। सभा की शुरूआत लोकनायक जयप्रकाश के चित्र के समक्ष अतिथियों द्वारा दीप जलाकर व पुष्पांजलि अर्पण के साथ हुआ। इसके उपरांत समारोह की शुरूआत प्रख्यात नृत्यांगना श्रीमती डा0अनु सिन्हा की टीम की अंशिका भदौरिया द्वारा सरस्वती वंदना की नृत्य नाटिका की भावविहोर कर देने वाली मनोहारी प्रस्तुति के साथ हुयी। समारोह के प्रारंभ में लोकनायक जयप्रकाश अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विकास केन्द्र के महासचिव अभय सिन्हा ने सभी अतिथियों का

पटका पहनाकर व पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया और तदुपरांत केन्द्र की स्थापना से लेकर अब तक के क्रियाकलापों, उनके मध्य आ रहे व्यवधानों और लोकनायक की जयंती की पूर्व संध्या पर किये जा रहे इस आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दीऔर कहा कि आप सभी की भावनाओं और सहयोग के चलते हमारा भरसक प्रयास है कि देश की राजधानी में लोकनायक की स्मृति में एक विचार एवं अनुसंधान केन्द्र की स्थापना हो जिसके लिए हम सभी हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। अल्प सूचना के बावजूद आप सबकी यहां भारी संख्या में उपस्थिति हमारे लिए बहुत बड़ा संबल है। हम आप सभी का हृदय से स्वागत करते हैं,अभिनंदन करते हैं। समारोह में मौजूद वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ताओं, जेपी के अनुयायियों व उनके अंतिम समय में साथ रहे लोगों ने अपने-अपने संस्मरणों को समारोह में साझा किया और जे पी के व्यक्तित्व तथा जीवन के अनछुए प्रसंगों का,पहलुओं का सिलसिलेवार खुलासा करते हुए कहा कि उनके सानिध्य और चरणों में बैठकर आंदोलन के समय में सहभागिता का जो अवसर मिला, वह हमारी अमिट धरोहर है।इस अवसर पर अखिल भारतीय सेवादल के अध्यक्ष, वयोवृद्ध नेता राम नगीना सिंह ने कहा कि देश आज संक्रमणकाल से गुजर रहा है। वर्तमान राजनैतिक हालात इसके जीवंत प्रमाण हैं। ऐसे दौर में हमें जय प्रकाश के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और जन-जागरण की बेहद जरूरत है। फिल्म समीक्षक डा0 राजीव श्रीवास्तव ने अपने संस्मरण में जेपी पर बन रहे वृत्त चित्र की चर्चा की और उसमें स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के सहयोग का खुलासा किया।

जलविहार महोत्सव-रजपुरा में जलविहार करने निकले श्री रामराजा सरकार

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

बंगरा(झाँसी)रजपुरा गांव में श्री रामराजा सरकार विमान में विराजमान होकर शंख, घंटों की ध्वनि के बीच जयकारों के साथ जलविहार करने के लिए निकले,ढोल नगाड़ों के बीच जय श्री राम के गूंजे नारे।रजपुरा गांव में राम राजा सरकार मंदिर के भगवान भव्य जन समूह के साथ गाजे बाजे एवं डी जे की धुन की साथ निकले जिसमें उन्होंने जल बिहार के बाद पूरे गांव क्षेत्र का भ्रमण किया लोगों को सुख समृद्धि का आशीर्वाद दिया लोगों ने विमानों के नीचे से निकलकर रोग दोष हरने की भगवान से की कामना,आयोजन में आगे आगे जय श्री राम के नारों के साथ लोग भक्ति रस में डूबे नजर आ रहे थे।विमान भ्रमण में मंदिर

के पुजारी सुनील नायक ने लोगों के द्वारों पर सजी हुई थालियों से पूजा अर्चना करते हुए लोगों को प्रसाद वितरण किया।आयोजन में पूर्व प्रधान शिवशंकर सिंह लालजी,द्वारका नायक ,हरिहर पटेल,ईश्वर पटेल,भज्जू पटेल,कन्नू पाठक ,भीम प्रताप सिंह,विजय पांचाल,भूपेंद्र झा,प्रदीप केवट,अखिलेश नापित,बबलू महाराज,किशू केवट,रविन्द्र मिश्रा,राजू राजा सहित सैकड़ों ग्राम वासियों ने भगवान के साथ नगर भ्रमण किया।

इलेक्ट्रिक टू व्हीलर में लगी भयंकर आग

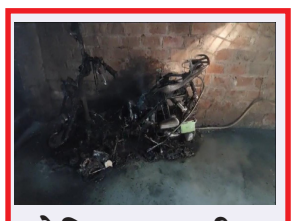

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। बड़ा गांव गेट बाहर स्थित अन्नपूर्णा कॉलोनी निवासी डॉक्टर पवन निगम ने लगभग 1 वर्ष पहले इलेक्ट्रिक टू व्हीलर गाड़ी खरीदी थी जिसकी उनको कंपनी से गारंटी मिली थी आज तो शाम 4-00 बजे लगभग गाड़ी को उन्होंने चार्ज पर लगाया और 4-20 पर गाड़ी से दुआ निकालने लगा देखते ही धुआं ने आगे का रूप ले लिया जब डॉक्टर साहब ने गाड़ी में आग लगते देखा तो मोहल्ले वालों को एकत्रित किया और जोर जोर से चिल्लाने लगे कॉलोनी वासियों की मदद से उस पर पानी डाला गया जिससे आग पर काबू पा लिया गया और कोई जनहानि नहीं हुई आईए जानते हैं।

जिलाधिकारी द्वारा बेहतर चिकित्सीय सुविधा हेतु पीड़िता को रूहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज में कराया गया भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

बरेली- सी0बी0 गंज की घटना पर मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान, पांच लाख रुपये का मुआवजा देने तथा इलाज का समस्त व्यय वहन करने की करी घोषणा- जिलाधिकारी जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार द्वारा बताया गया कि सी0बी0 गंज में हुई दुखद घटना का मा0 मुख्यमंत्री जी स्वयं संज्ञान लेते हुये दुख प्रकट किया गया है तथा पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की गयी है। उक्त क्रम में जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि पीड़िता के पिता से उनकी बात हुई है और शीघ्र ही धनराशि उनके खाते में हस्तांरित कर दी जायेगी। जिलाधिकारी ने भास्कर अस्पताल जाकर पीड़िता का हाल चाल लिया और उसे बेहतर चिकित्सीय सुविधा हेतु रूहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि छात्रा के इलाज में आने वाले समस्त खर्चे का वहन सरकार द्वारा किया जायेगा तथा दोषियों के खिलाफ जांच कर कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

भाजपा का विशाल महिला सम्मेलन 13 को

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी।भारत की महिलाओं और बेटियों को संसद और विधानसभाओं में समुचित प्रतिनिधित्व देने के लिये नारी शाक्ति वंदन अधिनियम को संसद से पारित करवाना लोकतांत्रिक भारत के इतिहास में मील का पत्थर है। हमारे देश के 140 करोड़ की जनसंख्या में 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करने वाली मातृशाक्ति के लिये लोकसभा एवं प्रदेश विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें आरक्षित करने का कानून लाया गया जिसके साथ कई वर्षों से महिलाओं के अधिकारों को लेकर हो रहे संघर्ष को विराम मिला है। यह उदगार क्षेत्रीय सांसद अनुराग शर्मा ने स्थानीय सरकिट हाउस में आयोजित फत्रकार वार्ता में व्यक्त किये। सांसद अनुराग शर्मा ने कहा भाजपा वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई को नमन करती है। महिला शक्ति वंदन अभिनंदन के क्रम में भाजपा का विशाल महिला सम्मेलन झाँसी एवं

ललितपुर में शुक्रवार 13 अक्टूबर 2023 को प्रात: 11बजे तुवन गार्डन में दोपहर 2 बजे झाँसी के लक्ष्मी गार्डन में होगा। महिला सम्मेलन में महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एवं उ.प्र.सरकार के एक कैबिनेट मंत्री शिरकत करेंगे। संसद में महिला आरक्षण बिल पारित कराने में मोदी की महत्वपूर्ण भूमिका-अनुराग शर्मा झाँसी। स्थानीय सरकिट हाउस में पत्रकारों से वार्ता करते हुए सांसद अनुराग शर्मा ने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने सुनिश्चित किया था कि देश में महिलाओं को वोटिंग का अधिकार मिले और वे चुनाव में सक्रिय रूप से भागीदारी भी ले सकें परन्तु जब भी उनके सशक्तिकरण की बात आती थी तो उसको नजरदांज कर दिया जाता था। 90 के दशक में स्थानीय निकायो में महिलाओं के आरक्षण हेतु व्यवस्था कि गयी थी जिसके परिणामस्वरूप आज लगभग 14 लाख महिलायें जो कि 46 प्रतिशत संख्या होती है वह ग्रामीण क्षेत्र के निकायो में प्रतिनिधित्व करती है। पिछले 9 वर्षो मे इन 46 प्रतिशत महिलाओं ने आगे बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेकर अपनी क्षमताओं से अच्छे कार्य किये है।

और उसी के साथ अन्य महिलाओं के लिये रास्ते खोल दिये है। कई प्रदेशों में स्थानीय पंचायत में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण भी दिया गया था। संसद में महिला आरक्षण बिल पास होना भारतीय राजनीति में बड़े परिवर्तन का संकेत है। महिलायें प्रसन्न है और राजनीति में महिलाओं की योग्यता साबित करने का बड़ा मौका भी है। इसके लिये पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ही जाता है। इस कानून से महिलाओं की राजनैतिक भागीदारी बढ़ेगी इसके साथ ही सामाजिक क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन होगा। देश की सांस्कृतिक पहचान समृद्ध होगी और लैगिंक असमानता खत्म होगी। महिला आरक्षण कानून के लागू होते ही महिला शक्ति को राजनैतिक - सामाजिक क्षेत्र में आगे बढ़ाने के अत्यधिक अवसर प्राप्त होंगे। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मोदी सरकार का प्रशंसनीय निर्णय है। लोकसभा के बाद विधानसभा, नगरपालिका, पंचायतीराज, संस्थाओं में भी महिलाओं की स्थिति बदलेगी। लंबे समय से लटका हुआ महिला आरक्षण का बिल पास करवाना प्रधानमंत्री मोदी जी की एक दूरगामी सोच का परिचय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के आरक्षण हेतु नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित कराये जाने पर हम गौरवान्वित है। पत्रकार वार्ता के दौरान सदर विधायक रवि शर्मा, एमएलसी रमा निरंजन,महापौर बिहारीलाल आर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, महानगर जिलाध्यक्ष हेमंत परिहार, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सुमन पुरोहित,महिला सम्मेलन के संयोजक अमित साहू, संजीव लाला,निशांत शुक्ला, मीडिया प्रभारी सौरभ मिश्रा, प्रियांशु डे मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कार घर में घुसा महिला को लगा गंभीर चोट कार चालक घायल 2 बैल की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर- सूरजपुर जिले के दूरस्थ क्षेत्र गांव नवाटोला में तेज रफ्तार कार अनियंत्रण होकर घर मे घुस गया जिससे 2 मवेधियो सहित एक महिला ओर कार ड्राइवर घायल ओर हो गया है...घटना सूरजपुर जिले से लगे द्वश्च सीमा से लगे चांदनी बिहारपुर के नवाटोला की है ,,,बीती रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रण होकर बिज कुमार शाह के घर मे जा

घुसी,,जिससे घर में सो रही महिला गंभीर रूप से घायल हो गई...तो वही घर मे रहे दो मवेशियों में से एक की मौत हो गई है एक घायल अवस्था मे है...मौके पर पुलिस पहुँचकर जांच पड़ताल में जुट गई है। वही इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चांदनी बिहरपुर लाया गया गंभीर हालत देखते हुए डाक्टर ने रेफर मध्य प्रदेश के जिला अस्पताल सिंगरौली में इलाज

From high BP to weight control, know the 6 surprising benefits of eating it.

Curd Rice Benefits South Indian dish curd rice is considered very beneficial for health. This food rich in nutrients protects you from many problems. Curd promotes intestinal health. You can also include curd rice in your diet to lose weight. Apart from this, this food also supplies protein and calcium to the body. Curd rice is a rich source of antioxidants, this food is considered very beneficial for health. Eating it provides energy to the body. Curd is considered an essential part of a healthy diet. Curd has great importance in Indian food. It is said that eating a bowl of curd daily keeps the digestive system healthy, but have you ever eaten curd rice? Yes, South Indian dish curd rice, which is considered very beneficial for the stomach. Bollywood celebrities also eat this food with great enthusiasm. It is especially advisable to include it in weight loss diet. This food rich in nutrients is very tasty and you can prepare it very easily at home. So let us know what are the benefits of eating curd rice. What are the benefits of eating curd rice. Curd is a probiotic food, which promotes intestinal health. It prevents many problems related to digestion, while rice is a rich source of protein. Curd and rice can prove to be very beneficial for people who have digestive problems. Curd rice is a rich source of antioxidants. It also contains sufficient amount of healthy fats. Which helps in keeping you away from stress. To keep the body energetic, you can include a bowl of curd rice in your diet. The nutrients present in curd help in giving instant energy to the body. Many properties are found in curd rice, which help in keeping your skin healthy. It is easy to digest. If the digestive system remains healthy, the skin also glows. Curd rice is very beneficial for high blood pressure patients. Actually, the amount of salt in this dish is less, due to which the blood pressure level remains normal. If you are troubled by high blood pressure, then you can eat curd rice in your daily diet to control it. Probiotics in curd also help in increasing immunity. Due to which you can avoid many types of infections and diseases.

If your child runs away from books, then adopt these methods, within a few days he will start concentrating on studies.

Parents play an important role in developing good qualities of the child. To improve the future of children, parents encourage them to study. We try to send children to good schools, provide coaching and all other necessary things for them, so that the child can study diligently and complete his education. However, the child's mind is more interested in sports than studies. Many children do not feel like studying. Many times, they sit down to study on the insistence of their parents but they do not concentrate on their studies. Many times parents put pressure on children by scolding them. However, scolding or forcibly teaching does not increase the child's interest in studies. Let us know that if your child also shies away from studies, then what to do so that his mind starts focusing on studies. Encourage – Children expect appreciation from their parents. To hear praise from you, he may try to concentrate on studies. However, parents often lower their morale by comparison. Do not do this, praise the child all the time instead of finding faults and comparing them with others. They will be encouraged by praise and will be interested in the work. Do not put pressure - There is a difference between convincing children to do any work and pressurizing them. Encourage them to study. Putting pressure on students all the time to study starts having a negative impact on them. Because of this, studies seem like a burden to the child. Therefore, do not put excessive pressure on them, try to explain the difficult things about studies to children while laughing and playing. Create a routine- Plan a good routine for the child. With planning, the child can be encouraged towards studies. Make a time table chart for studying every day and make it a part of daily work. Keep in mind that do not make children study for more than 45 minutes. Yoga and meditation - Make children practice yoga to increase their concentration. This has a positive effect on the brain and the child's mind does not deviate from studies. Along with yoga, good diet also makes the child focused.

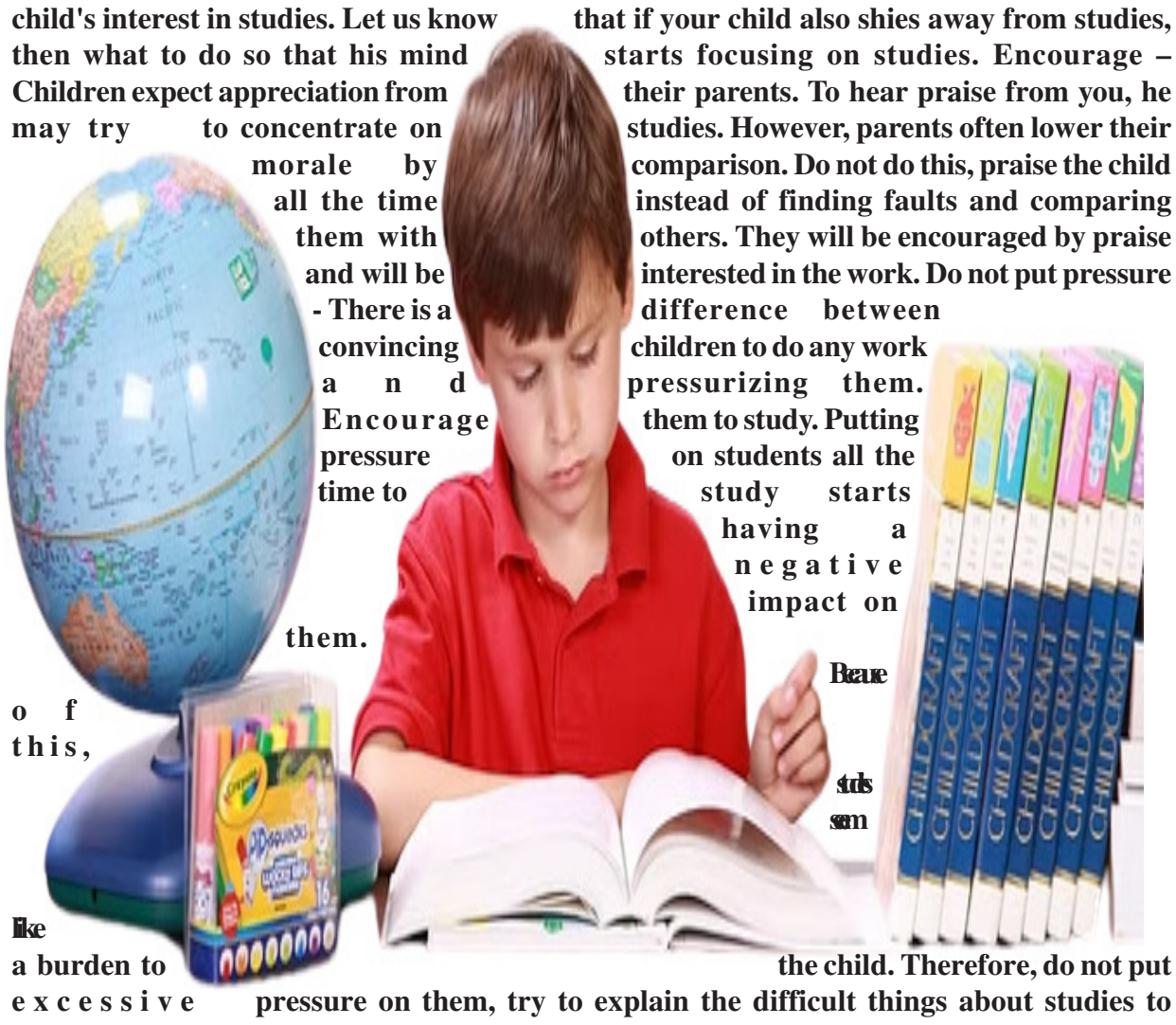

If you also have gas problem by eating cauliflower, then include it in your diet like this.

How To Prevent from Gas Cauliflower is a treasure trove of many nutrients like folate, vitamin K and fiber, but many people have the problem of excessive gas formation after eating it. If you are also troubled by this, then know here how to consume cabbage. Apart from gas, other digestive problems will also go away. Cabbage is among the favorite vegetables of most people. Apart from vegetables, it is also used for taste and texture in many other dishes like Pulao, Manchurian. Another good thing about this vegetable is that it does not take much time to prepare. You can use it in anything from breakfast to lunch or dinner. But you must have seen that many people complain of gas after eating cabbage. Even though cabbage is full of nutrients like fiber, folate and vitamin K, which are very beneficial for our health, consuming it in large quantities is not good. Because cabbage is included in the list of cruciferous vegetables, its digestion takes a little longer than other vegetables and even more if it is eaten in raw form. Due to which there may be gas problem. To avoid gas problem, eat cauliflower in lunch instead of dinner - If you want to eat cauliflower vegetable or any other dish, then it would be better to prepare it during the day instead of at night. This is because metabolism works better in the afternoon. Besides, we also do many activities throughout the day, due to which there is not much difficulty in digestion. At the same time, our metabolism starts slowing down at night due to which more gas is produced after eating it. Cook and eat well – The crunchy texture of some vegetables tastes better, but including cauliflower in it can become a problem for you. Eating raw or lightly cooked cabbage can cause digestive problems. Therefore, always eat it after cooking it thoroughly. Use ginger and cloves - While making cauliflower dish, include some things in it which are helpful in digesting the food, like ginger and cloves. Even a small quantity of these is enough to enhance taste and keep digestion healthy. Asafoetida is helpful - Not only today but it has been used for a long time to get relief from the problem of gas, so it would be better if you use asafoetida while making cabbage dishes. Apart from gas, it also relieves the problem of stomach ache and indigestion.

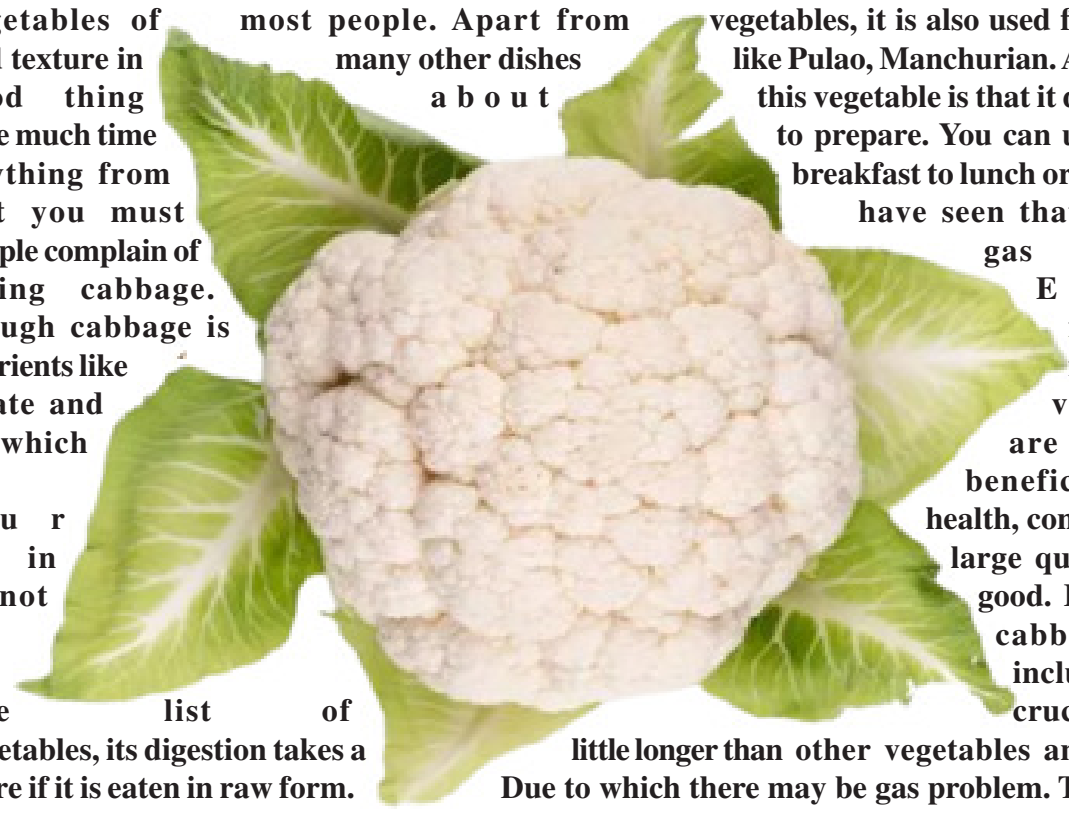

Mix these healthy things in tea, health can improve with taste

Tips For HealthyTea Some people like tea so much that they drink several cups of tea throughout the day. However, we all know that drinking tea in excess is harmful for health. Many people drink tea on an empty stomach, which is very harmful for your body. In such a situation, we will tell you about some things which make tea healthy. Tea can be made healthy by using some things. Ginger is full of taste and health. Cloves can also be used in tea. There is no dearth of tea drinkers in the world. People often start their morning with tea. Many people are so fond of drinking tea that they drink tea 3-4 times a day. Although drinking tea in excess is harmful for health, but you can make tea healthy, which will benefit your health. So let us know, what things should be used in tea, which will keep your health healthy. Lemon juice- Lemon juice is very beneficial for health. Vitamin C is found in abundance and also in it, which keeps the skin good Ginger- Many strengthens the immunity. doubles Ginger is full of taste and health. This also Many people use it in tea, which the taste of tea. removes deficiency of Vitamin C in the body. Bay leaf – Adding bay leaf to tea improves taste as well as health. Vitamin-A, C and B-6 are found in it, which are very beneficial for health. Cinnamon- Like bay leaf, cinnamon also enhances the taste of tea. It also provides many benefits to health. Adequate amounts of Vitamin B and K are found in it. Cardamom- Cardamom is the life of tea, as soon as it is added to tea, its taste doubles. It is rich in Vitamin C and B. Clove- Clove in tea is considered very healthy. This not only increases immunity, it is also a good source of Vitamin C. Black pepper- Adding crushed black pepper to tea can be very beneficial. Vitamin K, A and B are found in abundance in it, which is also beneficial in cold and cough.

Parineeti Chopra was seen in pant-suit with bangles and vermilion at the airport, glow visible on her face

Parineeti Chopra Video Actress Parineeti Chopra recently took seven rounds with her love Raghav Chadha. The actress has been in the news since her marriage. Now newlywed Parineeti was spotted at the airport. During this, the actress was seen giving the vibes of a newly-wed bride in pant-suit along with vermilion and bangles. Watch her video. 'Mission

Raniganj' heroine Parineeti Chopra has recently started a new chapter of her life. She tied the knot with Aam Aadmi Party leader Raghav Chadha last month. Now the actress was seen at the airport in a bossy look. Parineeti was spotted at the airport. Parineeti Chopra was spotted at the Mumbai airport on 10 October 2023. On seeing the newly wed actress, the paparazzi surrounded her and the actress also posed for them. Parineeti's video is going viral on social media. The actress was looking very beautiful in a bossy look after marriage. Parineeti flaunted vermilion and bangles in pant-suit - Parineeti Chopra wore an all black pant-suit, which the actress carried with a matching color top. The actress completed her look with a ponytail. Parineeti flaunted pink colored bangles and applied vermilion with pant suit. There was no lack of glow on the actress's face. She was looking very beautiful. Parineeti was given a grand welcome after her marriage. Parineeti and Raghav got married on 24 September 2023 at Leela Palace in Udaipur. After marriage, the actress was given a grand welcome at Raghav's government house in Delhi. During this time, not only were drums being played, his family also played fun games. Parineeti had revealed that among the two, it was the I love you actress who said it first. Parineeti Chopra's work front- Parineeti's recent film 'Mission Raniganj' has been released. In this, she is seen playing the role of Akshay Kumar's on-screen wife. Parineeti is going to be seen in the upcoming film 'Animal'. She will be seen with Ranbir Kapoor and Rashmika Mandanna in it.

Even before the release of Dhak Dhak, Taapsee had a rift with the co-producer, the reason for not promoting it came to light.

Along with acting, Taapsee Pannu is also trying to establish herself as a producer. Taapsee, who started her career as a producer with the film 'Blur', is in the news these days for her upcoming film 'Dhak Dhak'. Where, Taapsee's film 'Blurr' was released on OTT. So, 'Dhak Dhak' will hit the theatres. The movie is ready for its release after two days. However, Taapsee has not done any promotion of the movie. At the same time, when asked the reason for not promoting it, the actress gave a big statement. Starring Ratna Pathak Shah, Fatima Sana Shaikh, Dia Mirza and Sanjana Sanghi, 'Dhak Dhak' is the story of four women who take a bike on a journey of self-discovery. These four women are fond of breaking the restrictions of society and riding bikes. The love of bikes brings these women, belonging to different age groups and classes, together. The movie is ready for release in theaters on October 13. However, its producer Taapsee Pannu has decided not to promote it. According to reports, Taapsee Pannu is quite unhappy with the marketing strategy and hasty release chosen by co-producer Viacom18 Studios. This also includes the fact that the trailer of the film was launched on Monday, just four days before its release. She has also removed all the 'Dhak Dhak' promotional posts posted for the last one year, and has distanced herself from the film. When Taapsee Pannu was recently asked about these news, she said, 'I Can't say anything right now. I am just looking forward to the film, and the audience is looking forward to seeing our hard work and love. I don't want any toxicity. A media report also states that the conflict between the actress and the producers was not limited to the studio not promoting the film. A source told the portal, 'Taapsee distanced herself from the promotions of the film as she did not want to be road-rolled by a studio just because they have recovered their investment by selling the digital rights.' Talking about 'Dhak', it is directed by debutant director Tarun Dudeja. The story of the film has been written by Parijat Joshi. Talking about Taapsee Pannu's upcoming films, she will be seen with Shahrukh Khan in 'Dinky'. Taapsee also has Aanand L Rai's 'Phir Aayi Haseen Dilruba', in which she will be seen sharing the screen with Harshvardhan Rane and Vikrant Massey.

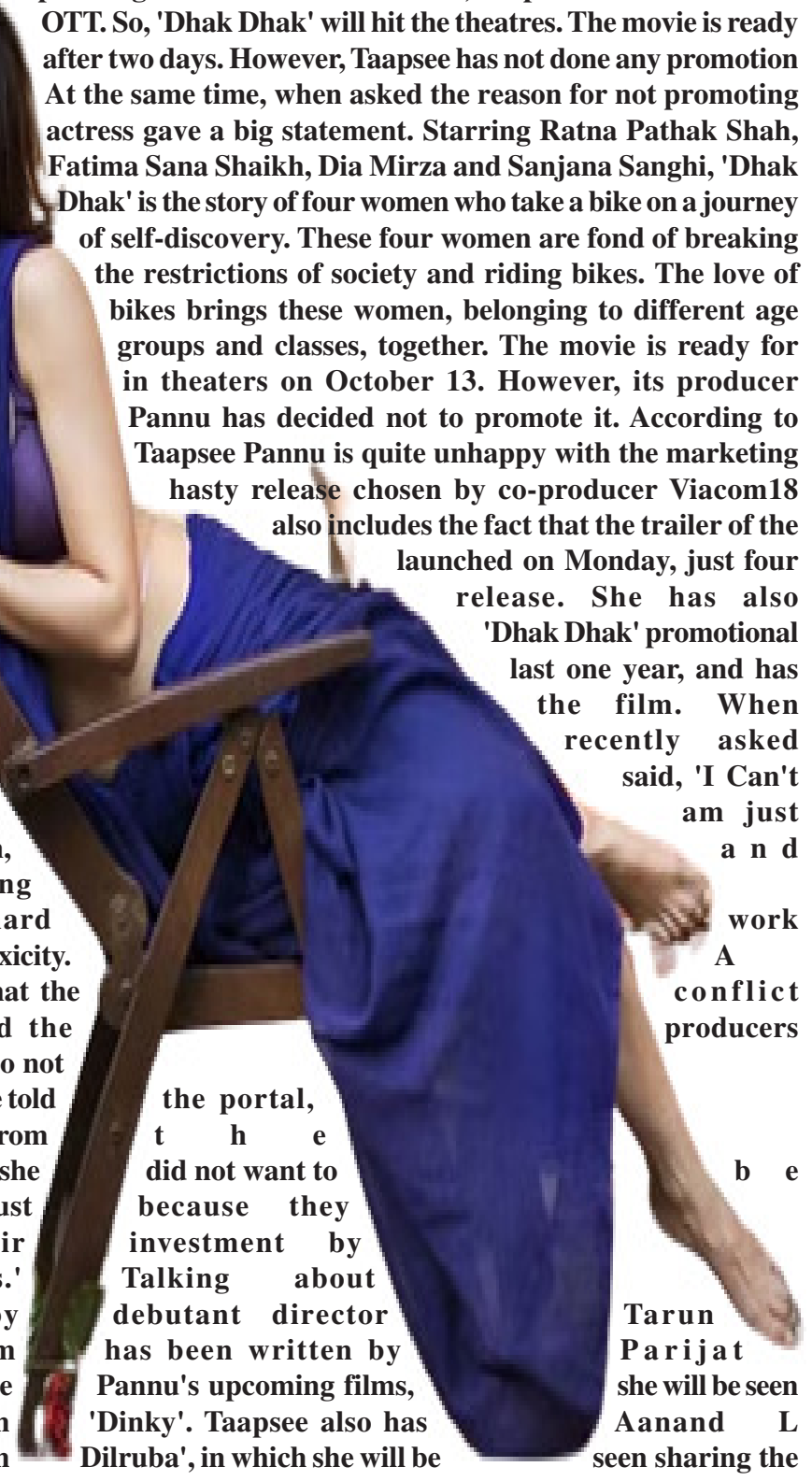

These beauties said goodbye to the silver screen and did not care about their career for the sake of love.

Despite their film careers being on top, these beauties chose family and got married. Today in this report we will tell you about such actresses. Bollywood actresses make the audience crazy with their brilliant and amazing acting. Their fans are eager to see these beauties on screen. Fans want to know everything about their favorite star from personal to professional life. There are many actresses in B-Town who left their careers at a time when they were climbing the stairs of success. Despite their film careers being on top, these beauties chose family and got married. Today in this report, we will tell you about such actresses… Karisma Kapoor- The first name included in this list is that of famous Bollywood actress and daughter of the Kapoor family, Hero Karisma Kapoor. The actress worked in great films like Raja Hindustani, Dil To Pagal Hai, love Number One. But when Karishma's career was at the top, she left her film career and chose and got married. After marriage, she distanced herself from the screen. Bhagyashree - Actress Bhagyashree, who played the role of Suman in Salman Khan's debut film Maine Pyar Kiya and taught the audience the lesson of love, also got married at a time when her film career was on the rise of success. Was climbing. The actress married Himalaya Dasani and then moved away from acting. After many years, the actress was seen in a cameo role in Salman Khan's film Kisi Ka Bhai Kisi Ki Jaan. Sonam Kapoor- Two star kids Ranbir Kapoor and Sonam Kapoor debuted with Bollywood film maker Sanjay Leela Bhansali's film 'Saawariya'. Was. However, his film was not successful at the box office. But Sonam made her mark in the industry within a short time. After this the actress appeared in great films like Neerja. But when Sonam left her career midway and married well-known businessman Anand Ahuja. After this the actress was not seen on the big screen. At present, Sonam is giving time to her family. Swara Bhaskar- Actress Swara Bhaskar is more in the news for her statements than her films. The actress had secretly married politician Fahad Aham some time ago. The actress has recently given birth to a daughter. Swara decided to leave her career midway and get married. At present, the actress is completely focused on taking care of her daughter and her family. She has not shared any update regarding making a comeback in films. Bipasha Basu- Actress Bipasha Basu has also distanced herself from films after marrying Karan Grover. The actress keeps sharing updates with her fans through social media. But right now his entire attention is focused on taking care of his daughter Devi. Bipasha has not yet shared any information with the fans regarding her comeback on screen.